सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivahan_Vishesh
YouTube
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number : F.2 (P-2) Press/2023
www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 03, अंक 05, नई दिल्ली । रविवार, 16 मार्च 2025, मूल्य ₹ 5, पेज 8
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार
अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरंत समझ नहीं आते हैं, उन्हें पढ़ना पड़ता है।

03 प्रवेश वर्मा ने आज रोहतक रोड पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया
06 4 घंटे में पुनर्नवीनीकरण 94% प्लास्टिक
08 ड्रग पैडलर अफसर अली को गोली मारकर हत्या

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की टीम वाहन मालिकों की जानकारी इनबॉक्स में बेच रही है

संजय बाटला

नई दिल्ली। परिवहन विभाग के डेटा को संभालने वाली राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की टीम के बारे में एक बहुत ही गंभीर मुद्दे पर ध्यान आकृषित करने के लिए लिख रहा हूँ। हमारे संज्ञान में आया है कि राष्ट्रीय सूचना विज्ञान वाहन मालिकों के मोबाइल नंबर को 50 रुपये प्रति वाहन के हिसाब से बेच रहे हैं और साथ ही वाहन मालिकों की सभी व्यक्तिगत जानकारी भी। इस प्रकार से प्राप्त जानकारी का इस्तेमाल अपराधियों द्वारा डिजिटल गिरफ़्तारी और महिलाओं के खिलाफ़ के अलावा अन्य अपराधों और गोपनीय समस्याओं के लिए कार रहे है। पहले भी हम कई बार इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करवा चुके है और सबूतों के आधार दिखा चुके है की कैसे प्रधानमंत्री, दिल्ली की मुख्यमंत्री तक के प्रयोग आने वाले वाहनों के डाटा आसानी से उपलब्ध करवाया जा रहा है तो अन्य के डाटा की उपलब्धता करवाने में क्या दर, लेकिन उसके बाद भी भ्रष्टाचार रोकने का दावा करने वाली सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर मैं इस मुद्दे को उठाता रहूंगा, क्योंकि इससे नागरिकों को जोखिम उठाना पड़ रहा है। आशा है इस मुद्दे को गंभीरता से लेकर कार्यवाही की जाएगी।

अति विशेष सूचना

"परिवहन विशेष" हिन्दी दैनिक समाचार पत्र आर.एन.आई. द्वारा मान्यता प्राप्त करने के बाद से आपके द्वारा प्राप्त भरपूर सहयोग से मार्च में अपने 2 साल पूरे कर रहा है। इन दो सालों में समाचार पत्र को निष्पक्ष रूप से चलाने में आप सभी का भरपूर सहयोग रहा हैं जिसके लिए प्रशासनिक विभाग परिवहन विशेष आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता है और आशा करता है की भविष्य में भी आपका सहयोग हमारे साथ ऐसे ही बना रहेगा। इन दो सालों में समाचार पत्र को राष्ट्रीय स्तर पर सभी शहरों और जिलों तक पहुंचाने और वहां की सही और सच्ची खबरें हम तक पहुंचाने वाले रिपोर्टर्स का दिल से धन्यवाद।

आप सभी को यह जान कर खुशी होगी की "परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र" का द्वितीय वार्षिकी समारोह अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में सम्पन्न किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सड़को को जाम और दुर्घटनाओं से मुक्त करवाने के साथ दिल्ली को प्रदूषण मुक्त राज्य का उद्देश्य रखा गया है। इस समारोह में निम्नलिखित मुद्दों पर वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा

1. लेन ड्राइविंग कितनी अनिवार्य?"
2. "सड़क दुर्घटना से कैसे हो सकता हैं बचाव ?"
3. "दिल्ली को कैसे प्रदूषण मुक्त राज्य बनाया जा सकता है?"

वाद- विवाद प्रतियोगिता में हिस्सेदारी लेने वाले वक्ताओं के वक्तव्य के साथ परामर्शदाताओं से चर्चा भी इस समारोह में रखी जा रही है। इसके साथ इस आयोजन में भारत देश में निर्मित ई वाहनो, वींएलटीडी संयंत्र, एवम् अन्य उपयोगी स्टाल भी सब को आकृषित करने के लिए उपलब्ध होंगे। इस समारोह में

1. सबसे अच्छा विचार / तर्क और समाधान प्रदान करने वाले वक्ता को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
2. परिवहन क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले संगठनों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
3. सड़क सुरक्षा के प्रति कार्य करने वाले संगठनों के पदाधिकारियों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
4. परिवहन विशेषज्ञों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
5. समाचार पत्र से अलग अलग राज्यों से जुड़े एंकर, वीडियो ग्राफर, रिपोर्टर्स, लेखक, ज्योताचार्य, कवि एवम् सहायकों को सम्मानित किया जाएगा।

संजय कुमार बाटला, संपादक

पहली बार राजधानी में तीन साल में रहा 'संतोषजनक' एक्यूआई, 85 तक गिरा

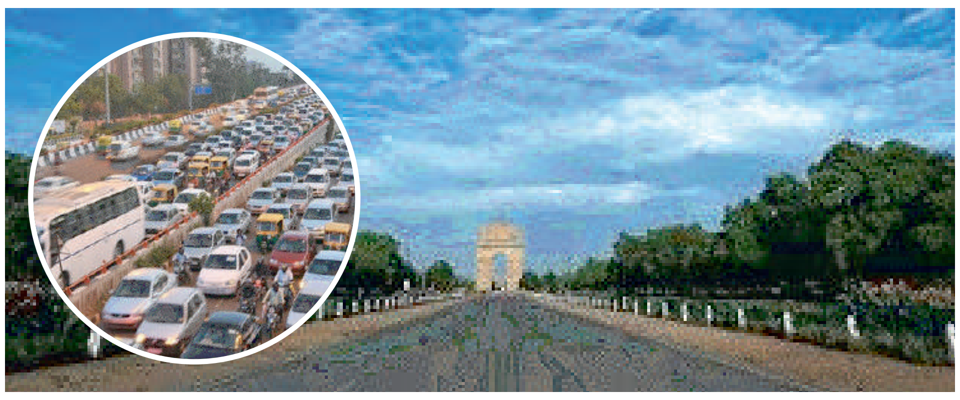

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के अनुसार यह पहली बार है जब दिल्ली का AQI इस वर्ष संतोषजनक श्रेणी में आया है। संतोषजनक श्रेणी में AQI 50 से 100 के बीच रहता है। आयोग ने कहा आज दिल्ली ने 85 का औसत AQI दर्ज किया जो पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है। साथ ही यह इस साल का पहला दिन है जब AQI संतोषजनक श्रेणी में आया है।

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। शनिवार को दिल्ली का औसत AQI 85 रहा, जो 1 जनवरी से 15 मार्च की अवधि के लिए पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है।

तीन साल में पहली बार 'संतोषजनक' AQI

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के अनुसार, यह पहली बार है जब दिल्ली का AQI इस वर्ष 'संतोषजनक' श्रेणी में आया है। 'संतोषजनक' श्रेणी में AQI 50 से 100 के बीच रहता है। आयोग ने कहा, ₹आज, दिल्ली ने 85 का औसत AQI दर्ज किया, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे कम है। साथ ही, यह इस साल का पहला दिन है जब AQI संतोषजनक श्रेणी में आया है। मार्च महीने में दिल्ली में 'संतोषजनक' AQI दर्ज होने का यह पहला मौका है, जो 2020 के बाद देखने को मिला है।"

देश के अन्य हिस्सों में तापमान बढ़ा

जहां एक ओर दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है, वहीं देश के अन्य हिस्सों में गर्मी बढ़ रही है। कर्नाटक के उत्तर भागों में स्थित ऐनापुर हॉबली गांव (जिला कालाबुरागी) में पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन में अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

उत्तरी कर्नाटक में हीटवेब की चेतावनी

भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, 15 से 17 मार्च के बीच उत्तर आंतरिक कर्नाटक में तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। IMD ने 18 और 19 मार्च को उत्तर आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में लू (हीट वेव) की चेतावनी भी जारी की है।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के अनुसार, कलबुर्गी, बीदर, बागलकोट, रायचूर, यादगीर और विजयपुरा जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश

पिछले दिनों दिल्ली-एनसीआर के मौसम में भी बदलाव देखने को मिला। शुक्रवार शाम को दक्षिणी दिल्ली के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई। IMD ने उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर होली पर दिल्ली पुलिस ने की सख्त कार्रवाई....

परिवहन विशेष न्यूज

होली के दिन दिल्ली पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। नतीजतन इस साल सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या में काफी कमी आई। पिछले साल होली पर 14 लोगों की मौत हो गई थी जबकि इस साल यह संख्या घटकर 4 हो गई। पुलिस ने 1213 लोगों के चालान काटे जो पिछले साल की तुलना में अधिक है।

नई दिल्ली। शराब पीकर होली के दिन लोग सड़कों पर हुड़दंग न मचाए इसके लिए इस बार दिल्ली पुलिस ने अधिक सतर्कता बरती। यातायात पुलिस और जिला पुलिस की सख्ती के कारण सड़क दुर्घटना में इस बार केवल चार लोगों की मौत हुई और आठ लोग घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पिछले साल 25 मार्च को होली के दिन सड़क दुर्घटना में 14 लोगों की मौत हो गई थी और 13 लोग घायल हुए थे। इस बार होली के दिन शराब पीकर वाहन चलाने वाले 1213 लोगों के चालान काटे गए। पुलिस का दावा है कि पिछली बार की तुलना में यह आंकड़ा अधिक है।

पुलिस ने किए थे व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त

विशेष आयुक्त यातायात अजय चौधरी का कहना है कि होली उत्सव को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस ने सड़कों पर पैदल चलने वालों और मोटर चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नशे में वाहन चलाने, ट्रिपल राइडिंग, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने, बिना हेलमेट के वाहन चलाने, दोपहिया वाहनों से स्टंट करने आदि की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए व्यापक सुरक्षा बंदोबस्त किए थे।

300 जगहों पर बनाए गए थे चेकिंग प्वाइंट्स

होली के लिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नजर रखने के लिए 300 जगहों पर चेकिंग प्वाइंट्स बनाए गए थे। इनमें 84 जगहों पर ड्रंकन ड्राइव के प्वाइंट्स थे, वहां एल्कोमीटर के साथ 84 विशेष टीमें तैनात की गई थी। 40 जगहों पर यातायात पुलिस ने स्थानीय पुलिस और पीसीआर के साथ संयुक्त चेकिंग रूप से चेकिंग की।

विभिन्न चौराहों पर हुई थी पिकेट लगाकर जांच

हुड़दंगियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए यातायात पुलिस के 1100 हवलदार व सिपाहियों की तैनाती की गई थी। 500 जोनल अफसर, 50 ट्रैफिक इंस्पेक्टर व 16 एसीपी की तैनाती क गई थी। शुक्रवार सुबह आठ से रात 12 बजे पूरी दिल्ली में यातायात पुलिस ने विभिन्न सड़कों और चौराहों पर पिकेट लगाकर जांच की।

शराब पीकर वाहन चलाने	**1213**
ट्रिपल राइडिंग	573
बिना हेलमेट	2376
टिंटेड ग्लास	97
अन्य नियमों के उल्लंघन	2971
कुल चालान	7230

होली के दिन हुए हादसों के आंकड़ों

साल	सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या	घायलों क संख्या
8 मार्च 2023	10	14
25 मार्च 2024	14	13
14 मार्च 2025	4	8

पुलिस की आम लोगों से अपील

x शराब पीकर गाड़ी न चलाएं।
x निर्धारित गति सीमा का पालन करें।
x यातायात संकेतों का पालन करें।
x अन्य वाहनों के साथ रेसिंग या प्रतिस्पर्धा में शामिल न हों।
x दोपहिया वाहन सवार और पीछे बैठने वाले सवारों को हेलमेट पहनना चाहिए और तीन लोगों को बैठाने से बचना चाहिए।
x लापरवाही, खतरनाक या टेढ़े-मेढ़े तरीके से वाहन न चलाएं।
x नाबालिगों या अनधिकृत व्यक्तियों को अपना वाहन न चलाने दें।
x दोपहिया वाहनों पर स्टंट न करें।

अब दिल्ली में यमुना किनारे 'बस रेस्तरां' का आनंद ले सकेंगे लोग...

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली में यमुना किनारे खुलने जा रहा है एक अनोखा बस रेस्टोरेंट। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की इस पहल के तहत पुरानी डीटीसी बसों को री-डिजाइन कर आकर्षक रेस्टोरेंट में बदला जाएगा। ये बस रेस्टोरेंट यमुना वाटिका में स्थित होंगे और इनमें बैठकर आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। किचन भी इसी बस के अंदर मौजूद होगा। अभी टेंडर निकालने का काम जारी है।

नई दिल्ली। ट्रेन और प्लेन रेस्तरां के बाद दिल्ली वासी जल्द ही बस रेस्तरां में भी खाने का लुत्फ उठा सकेंगे। ये रेस्तरां यमुना के किनारे खुलेंगे। किचन भी बस के अंदर ही होगा व बैठकर खाने की व्यवस्था भी। इस महत्वपूर्ण योजना को मूर्त रूप देने के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने काम भी शुरू कर दिया है।

डीडीए के उद्यान विभाग की यह योजना 'एक पंथ दो काज' से जुड़ी है। विभाग द्वारा जारी की गई रिक्वेस्ट ऑफ इंफार्मेशन (आरएफआई) के अनुसार ये रेस्तरां अपनी उम्र पूरी कर चुकीं डीटीसी की सीएनजी एसी लो फ्लोर बसों में खोले जाएंगे। मतलब, एक ओर ये रेस्तरां खुद में ही आकर्षण का केंद्र होंगे तो दूसरी ओर डीटीसी की खटारा हो चुकीं बसें भी उपयोग में लाई जा सकेंगी। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहला रेस्तरां कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास स्थित यमुना वाटिका में खोले जाने की तैयारी है। डीडीए इसके लिए एजेंसी फाइनल करने में लगा है।

बस के पावर सिस्टम में किया जाएगा संशोधन

आला अधिकारियों ने बताया कि बस की आंतरिक साज सज्जा को री-डिजाइन किया जाएगा ताकि उसमें किचन के उपकरण, स्टोरेज और सिटिंग एरिया के लिए जगह बनाई जा सके। बस में कुछ ढांचागत संशोधन भी किए जाएंगे जैसे फ्लोरिंग, वाल और सीलिंग, खिड़कियों एवं गेट को बदला जाएगा। बस के बाहरी लुक में भी बदलाव किए जाएंगे। बस की किचन में प्रोफेशनल किचन के स्टोव, रेफ्रिजरेटर, स्टोरेज, सिंक, काउंटर टाप शामिल होंगे। सभी बेहतर गुणवत्ता के होंगे। बस के पावर सिस्टम को भी संशोधित किया जाएगा।

टेंडर से पहले आरएफआई से हर पहलू पर होगी चर्चा

डीडीए के अनुसार टेंडर अवार्ड करने से पहले आरएफआई के माध्यम से यह जानने का भी प्रयास है कि डीटीसी की सीएनजी एसी लो फ्लोर बसों को किचन में बदलने की संभावनाएं किस हद तक हैं। इस काम में कौन सी प्रक्रिया अपनाई जाएंगी, इसमें कितना खर्च आएगा, किस तरह की वस्तुओं की जरूरत होगी, कितने समय में एक बस किचन में बदली जा सकेगी और सीएनजी बसों में किचन शुरू करना किस हद तक सुरक्षित रहेगा?

टाटा मार्कोपोलो मॉडल का होगा रेस्तरां में इस्तेमाल

डीडीए अधिकारियों के अनुसार अभी जिस बस को रेस्तरां में बदलने का प्लान बनाया जा रहा है, वह टाटा मार्कोपोलो मॉडल एसी सीएनजी लो फ्लोर बस है। यह 2010 का मॉडल है। बस में 36 यात्री सीटें, इंजन तथा सभी इंटीरियर लगे हुए हैं।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

स्वप्नशास्त्र, सच साबित होते हैं भोर के सपने

सोते समय सपना देखना एक सामान्य प्रक्रिया होती है. लगभग हर इंसान सपना जरूर देखता है. ये सपने कई तरह के हो सकते हैं. कुछ सपने ऐसे होते हैं, अगर नींद टूट जाए, तो पछतावा होने लगता है. लेकिन कुछ सपने ऐसे होते हैं, जिनको देखने पर गहरी नींद में सोता हुआ व्यक्ति भी उठ के बैठ जाता है. स्वप्न शास्त्र के अनुसार, ये सपने व्यक्ति की जिंदगी में होने वाली घटनाओं की ओर इशारा करती हैं, जो कि अच्छे और बुरे दोनों हो सकते हैं. ऐसे में कुछ सपने होते हैं, जो कि सच साबित हो जाते हैं.

सपने कब साबित होते हैं सच स्वप्न शास्त्र के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में दिखाई देने वाले सपनों के सच साबित होने की प्रबल संभावना रहती है, क्योंकि यह समय भगवान का माना जाता है. अगर आपने सुबह 4 बजे से 5:30 बजे के बीच में सपना देखते हैं, तो यह आपकी जिंदगी बदल सकते हैं. व्यक्ति की जिंदगी में धन-दौलत, शान-शौकत की कोई कमी नहीं रहती है.

ब्रह्म मुहूर्त के ये सपने होते हैं सच सुख-समृद्धि में होती है बढ़ोतरी, स्वप्न शास्त्र के मुताबिक, ब्रह्म मुहूर्त में अगर देवी-देवता नजर आएं, तो उस व्यक्ति पर भगवान की खास कृपा रहती है. ये सपने आपके भाग्य को बदलने का संकेत देते हैं. इससे घर में सुख-समृद्धि और मान-सम्मान में बढ़ावा देने का काम करते हैं. इसके अलावा, व्यक्ति को मनचाही मुराद भी मिल सकती है.

आर्थिक स्थिति होती है मजबूत स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर सपने में पानी से भरा हुआ मटका दिखाई दे, तो यह जिंदगी बदलने का संकेत देता है. यह आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का काम करता है. इससे जिंदगी में सुख-समृद्धि आती है.

अमीर बनने का होता है संकेत स्वप्न शास्त्र की माने तो ब्रह्म मुहूर्त में या भोर के समय जगमगाता हुआ दीपक नजर आए, तो बहुत शुभ होता है. यह भगवान की कृपा की ओर इशारा करता है. यह सपना आपको जल्द अमीर बनने का संकेत देता है.

किसी के साथ न करें शेयर हालांकि, एक बात का खास ख्याल रखना पड़ता है. अगर आपको सपने में ये चीजें नजर आएं, तो आपको किसी के साथ इनको साझा नहीं करना चाहिए. अगर आप इस बात को नजर अंदाज करते हैं, तो इससे मिलने वाला लाभ खत्म हो जाएगा।

शनिवार को करे यह उपाय

गृह दोष मुक्ति शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष का दोनों हाथों से स्पर्श करते हुए 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का 108 बार जप करने से दु:ख, कठिनाई एवं ग्रहदोषों का प्रभाव शांत हो जाता है।(ब्रह्म पुराण)

कष्ट निवारण हर शनिवार को पीपल की जड़ में जल चढ़ाने और दीपक जलाने से अनेक प्रकार के कष्टों का निवारण होता हैं।(पद्म पुराण)

आर्थिक कष्ट निवारण एक लोटे में जल, दूध, गुड़ और काले तिल मिलाकर हर शनिवार को पीपल के मूल में चढ़ाने तथा 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र जपते हुए पीपल की 7 बार परिक्रमा करने से आर्थिक कष्ट दूर होता है।

समस्त रोगों की जड़ है रात्रि भोजन

किसी भी चिड़िया को डायबिटीज नहीं होती। किसी भी बन्दर को हार्ट अटैक नहीं आता। कोई भी जानवर न तो आयोडीन नमक खाता है और न ब्रश करता है फिर भी किसी को थायराइड नहीं होता और न दांत खराब होता है। बन्दर शरीर संरचना में मनुष्य के सबसे नजदीक है बस बंदर और आप में यही फर्क है कि बंदर के पूँछ है आप के नहीं है बाकी सब कुछ समान है तो फिर बंदर को कभी भी हार्ट अटैक, डायबिटीज, हाइ बीपी क्यों नहीं होता है? एक पुरानी कहावत है बंदर कभी बीमार नहीं होता और यदि बीमार होगा तो जिंदा नहीं बचेगा मर जाएगा! बंदर बीमार क्यों नहीं होता? बंदर का आरएच फैक्टर सबसे आदर्श है, कोई भी डॉक्टर जब आपका आरएच फैक्टर नापता है, तो वह बंदर के ही आरएच फैक्टर से तुलना करता है। डॉक्टर आपको बताता नहीं यह अलग बात है उसका कारण यह है कि, उसे कोई बीमारी आ ही नहीं सकती। उसके ब्लड में कभी कॉलेस्टेरॉल नहीं बढ़ता, कभी ट्रायग्लेसराइड नहीं बढ़ती, न ही उसे कभी डायबिटीज होती है। शुगर को कितनी भी बाहर से उसके शरीर में इंट्रोडयूस करो वो टिकती नहीं है।

सूर्य निकलते ही, सारी चिड़यि, सारे जानवर, बंदर भरपेट खाना खा लेते है, जो आदमी नहीं खाता। मनुष्य ब्रेकफास्ट, लंच, डिनर के चक्कर में फंसा रहता है और इसीलिए मनुष्य ज्यादा बीमार रहने लगा है। सुबह सुबह भरपेट खाओः- जो मनुष्य सुबह भरपेट खाना खाते हैं उन्हें डायबिटीज यानि शुगर, कॉलेस्टेरॉल, घुटनों का दर्द, कमर का दर्द, पेट मे जलन एवम्गैस बनने की शिकायत कम होती हैं और नींद भी अच्छी आती है और यह बात बागभट्ट जी ने 3500 साल पहले कही थी ₹₹कि सुबह का किया हुआ भोजन सबसे अच्छा है₹₹ सुबह सूरज निकलने से ढाई घंटे तक यानि 9.30 बजे तक, ज्यादा से ज्यादा 10 बजे तक आपका भरपेट भोजन हो जाना चाहिए और भोजन तभी होगा जब आप नाश्ता बंद करेंगे। नाश्ते का प्रचलन हिंदुस्तानी नहीं है यह अंग्रेजो की देन है और रात्रि का भोजन सूर्य अस्त होने से आधा घंटा पहले कर लें तभी बीमारियों से बचेंगे। सुबह सूर्य निकलने से ढाई घंटे तक हमारी जठराग्नि बहुत तीव्र होती है। हमारी जठराग्नि का सम्बन्ध सूर्य से है। हमारी जठराग्नि सबसे अधिक तीव्र स्नान के बाद होती है। स्नान के बाद पित्त बढ़ता है इसलिए सुबह स्नान करके भोजन कर लें तथा एक भोजन से दूसरे भोजन के बीच ४ से ८ घंटे का अंतराल रखें बीच में कुछ न खाएं और दिन डूबने के बाद तो बिल्कुल भी नहीं खायें।। चूंकि यह पक्षियों और जंगली जानवरों की दिनचर्या में सम्मिलित है, अतः वे अमूमन बीमार नहीं होते।।

आयुर्वेद अपनाए निरोग जीवन जिए।

मैनेजमेंट में माहिर होते हैं कन्या राशि के जातक

ज्योतिषाचार्य पं योगेश पौराणिक (इंजी)

नक्षत्र मंडल में जब चंद्रमा का गोचर उतरा फाल्गुनी नक्षत्र से चित्रा के तृतीय चरण तक होता है तब कन्या राशि होती है। कन्या राशि पिंगल वर्ण वाली, स्त्री जाति की, द्विस्वभाव वाली, दक्षिण दिशा की स्वामिनी, रात्रिबली, वायु तत्व प्रकृति वाली, पृथ्वी तत्व की राशि है।

कन्या राशि के लोगों पर बुध, सूर्य तथा चंद्रमा ग्रह का प्रभाव देखने को मिलता है। कुंडली में कन्या राशि से पेट का विचार किया जाता है।

गुण और स्वभाव : कन्या राशि के जातक सुंदर, अत्यंत आकर्षक, मध्यम कद के शर्मीले स्वभाव के होते हैं। इनकी चल तेज और कंधे झुके हुए होते हैं। कन्या राशि के जातक सुस्त किंतु युवा स्वरूप होते हैं। इस राशि के जातक मैनेजमेंट में माहिर होते हैं। यह काफी व्यवहार कुशल, शांत, दयालु, मजाकिया, कम बोलने वाले, बुद्धिमान, संगीत और कला प्रेमी होते हैं। कन्या राशि वालों में कभी कभी स्वार्थीपन, लापरवाह रवैया, चिड़चिड़ापन, बात का बतंगड़ बनाने वाले नखरेबाज से जान पड़ते हैं। यह स्त्री हो या पुरुष इनमे कुछ स्त्रीगत स्वभाव देखने को अवश्य मिलेगा।

कैरियर : कन्या राशि के जातक अकाउंटेंट, लेखक, दांत के डॉक्टर, साहित्यकार, सोना चांदी के व्यापारी, सरकारी नौकरी, बैंक कर्मचारी, मैनेजर, ईवेंट मैनेजर, शेयर दलाल, नर्स, कलाकार, चार्टर्ड अकाउंटेंट, ट्रांसपोर्ट, टेवलिंग, गाइड आदि में अपना कैरियर बनाकर सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

रोग : कन्या राशि के लोगो को आंत के रोग, गुदा रोग, बदहजमी, हैजा, कब्ज, अतिसार, पाचन में विकार, नसों में रोग, बहरापन आदि रोगों से जूझना पड़ सकता है।

भाग्यशाली दिन : सोम, बुध, गुरु और शुक्रवार

भाग्यशाली रंग : सफेद, पीला और हरा

भाग्यशाली अंक : 4,5,7,9

शुभ रत्न : पन्ना

उपाय : कन्या राशि के जातक को बुधवार या शुक्रवार का व्रत तथा भगवान गणेश और विष्णु और लक्ष्मी जी की उपासना करना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है। प्रत्येक बुधवार भगवान गणेश को गुड़ का भोग लगाएं और ॐ गंगणपतये नमः मंत्र का जाप करें।

जप माला के नियम और सावधानियां

माला शब्द दो अक्षरों से बना है—मा + ला। 'मा' माने लक्ष्मी, प्रभा, शोभा और ज्ञान; 'ला' माने जिसमें लीन रहे; इसलिए 'लक्ष्मी, प्रभा, शोभा और ज्ञान जिसमें लीन रहते हैं वह है माला। साधना में जप माला बहुत ही महत्वपूर्ण वस्तु है। जब जप अधिक संख्या में करना हो तो जप माला रखना अनिवार्य है। भगवान का स्मरण और नाम-जप की गिनती करने के कारण साधक को इसे अपने प्राणों के समान प्रिय मानना चाहिए। एक बार वृन्दावन में दो संतों में लड़ाई हो गयी। एक संत ने दूसरे के लिए कहा—'इसने मेरा हीरा चुरा लिया है। दूसरे ने कहा—'इन्होंने मेरा पारस चुरा लिया है। मामला अदालत में गया, दोनों ने अपनी-अपनी बात कही। जज ने पूछा—'तुमको हीरा कहां से मिला? पहले संत ने उत्तर दिया—'हमको हमारे गुरु ने दिया था। जज ने पूछा—'कहां रखते थे ? संत ने ने कहा— अपने कण्ठ में बांध कर रखता था। (तुलसी के मनके को वैष्णव संत 'हीरा' कहते हैं) दूसरे संत से जज ने पूछा— तुमको पारस कहां से मिला जो इसने चुरा लिया ? (भगवान के प्रसाद को संत 'पारस' कहते हैं) दूसरे संत ने उत्तर दिया—'मुझको मन्दिर से रोज 'पारस' मिलता था, इसने बंद करा दिया। इस प्रकार संतों में भगवान का प्रसाद 'पारस' और माला 'मणि' मानी जाती है। जप माला में मणि, मनिया या दाने पिरोये जाने के कारण इसे 'मणि माला' कहते हैं पर आजकल लोग जप माला को लटकाये-लटकाये फिरते हैं, झूठे हाथों से छू लेते हैं या जेब में रख लेते हैं।

दूसरे की माला से जप क्यों नहीं करना चाहिए ?

व्यक्ति को अपनी जप माला अलग रखनी चाहिए, दूसरे की माला पर जप नहीं करना चाहिए। जप की माला पर जब एक ही मन्त्र जपा जाता है तो उसमें उस देवता की प्राण-प्रतिष्ठा हो जाती है, माला चैतन्य हो जाती है। फिर उस माला पर एक ही मन्त्र का जप किया जाए तो धीरे-धीरे मन्त्र की चैतन्य शक्ति साधक के शरीर में प्रवेश करने लगती है। तब वह माला साधक का कल्याण करने वाली हो जाती है इसलिए अपनी जप माला न किसी दूसरे को देनी चाहिए और न ही किसी दूसरे की माला पर जप करना चाहिए। लेना-देना तो क्या दूसरों को अपनी माला दिखानी भी नहीं चाहिए। माला की पवित्रता की जितनी रक्षा आप करेंगे, उतनी ही

पवित्रता आपके जीवन में आयेगी।

जप माला के साथ न करें ये काम ?

1. माला लोगों को दिखाने की चीज नहीं है बल्कि धन की भांति साधक को इसे गुप्त रखना चाहिए,
2. माला की पवित्रता का साधक को पूरा ध्यान रखना चाहिए,
3. जप माला को केवल जप की गिनती करने वाला साधन न समझ कर उसका पूरा आदर करना चाहिए,
4. अशुद्ध अवस्था में उसे नहीं छूना चाहिए,
5. बायें हाथ से जप माला का प्रयोग नहीं करना चाहिए,
6. माला को पैर तक लटका कर नहीं रखना चाहिए,
7. माला को जहां कहीं भी ऐसे ही नहीं रखना चाहिए या तो उसे जपमाली में या किसी डिब्बी में रखकर शुद्ध स्थान पर रखें।

माला जप करते समय रखें इन बातों का ध्यान ?

1. जप के लिये माला को हृदय के सामने अनामिका अंगुली पर रखकर अंगूठे से स्पर्श करते हुए मध्यमा अंगुली से फेरना चाहिए। सुमेरु का उल्लंघन न करें, तर्जनी अंगुली न लगावें। सुमेरु के पास से माला को घुमाकर दूसरी बार जपें,
2. जप करते समय माला ढकी हुई होनी चाहिए,
3. जब तक एक माला पूरी न हो, बीच में बोलना नहीं चाहिए, दूसरों की ओर देखना नहीं चाहिए, इशारे नहीं करना चाहिए।
4. यदि जप करते समय किसी कारण बीच में उठना पड़े तो माला पूरी करके ही उठना चाहिए और दुबारा जप के लिए बैठना हो तो आचमन करके ही जप शुरु करना चाहिए।

विभिन्न कामनाओं और देवताओं के अनुसार माला में भेद होता है ? जप माला अनेक वस्तुओं की होती है, जैसे तुलसी, रुद्राक्ष, कमलगट्टा (पद्मबीज), स्फटिक, हल्दी, लाल चंदन, शंख, जीवपुत्रक, मोती, मणि, रत्न, सुवर्ण, मूंगा, चांदी और कुशमूल। इन सभी मणियों (दानों) से माला तैयार की जाती है। इनमें वैष्णवों के लिए तुलसी और स्मार्त, शैव व शाक्तों के लिए रुद्राक्ष की माला सर्वोत्तम मानी गयी है।

मनुष्य की जितनी कामना होती हैं, उनके उतने ही मन्त्र होते हैं और उतने ही देवता आजकल लोग एक ही माला पर सभी देवताओं के मन्त्र जप लेते हैं, यह माला की मर्यादा की अवहेलना है। विभिन्न देवताओं की अलग-अलग मालाएं होती हैः- जैसे

1. लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए किए जाने वाले मन्त्र कमलगट्टे की या लाल चंदन की माला पर,
2. विष्णु, श्रीकृष्ण या श्रीराम के मन्त्र तुलसी माला पर
3. शंकर, हनुमान, दुर्गा आदि के मन्त्र रुद्राक्ष की माला पर
4. मां बगलामुखी का जप हल्दी की माला पर आदि।

जपमाला बनाते या खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

1. माला बनाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि एक चीज की माला में दूसरी चीज न लगायी जाए,
2. माला के दाने छोटे-बड़े न हों,
3. जपमाला में पूरे 108 दाने होने चाहिए, कम या अधिक नहीं।

विभिन्न कामनाओं और देवताओं के अनुसार भी मालाओं में भेद होता है शान्तिकर्म में श्वेत, वशीकरण में लाल, अभिचार में कृष्ण और मोक्ष व ऐश्वर्य के लिए रेशमी सूत की माला अच्छी मानी जाती है। शास्त्रों में वर्ण के अनुसार माला पिरोने के लिए सूत का रंग चुना जाता था जैसे ब्राह्मण के लिए सफेद रंग का सूत, क्षत्रिय के लिए लाल, वैश्य के लिए पीला और शूद्र के लिए कृष्ण वर्ण का सूत माला बनाने में प्रयोग करने का विधान है, माला को सोने के तार में भी पिरोया जा सकता है।

जपमाला अपनी इच्छा से किसी भी चीज की नहीं बनानी चाहिए और उसे अपनी इच्छानुसार गूंथना भी वर्जित है।

अनमोल जीवन संदेश

1. जीत निश्चित हो तो कायर भी जंग लड़ लेते है ! "बहादुर तो वो लोग है, जो हार निश्चित हो फिर भी मैदान नहीं छोड़ते !

2. "भरोसा ₹ ईश्वर ₹ पर है, तो जो लिखा है तकदीर में, वो ही पाओगे, "मगर भरोसा अगर खुद पर है, तो ईश्वर वही लिखेगा, जो आप चाहोगे !

3. दर्द कितने भी हों दिल में, सदैव मुस्कुराते रहिए, अगर गिरा एक भी आँसू तो तमाशा हो जाएगा ! पोंछने वाले तो कम मिलेंगे, मगर वज़ह जानने वालों का मेला लग जाएगा !

4. जहां प्रेम होता हैं, वही सागर बहता है और प्रभु बसते है ! और वहां रिश्ते भी अपने आप ही बन जाते हैं ! ये प्रेम ही तो है, जो हम आपको रोज याद करते हैं, क्योंकि मनुष्य के जीवन में प्रेम ईश्वरीय देन है !अतः, प्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं !

5. आपके परिवार में सुख, शांति, शक्ति, सम्पति, स्वरुप, संयम, सादगी, सफलता, समृध्दि, साधना, संस्कार और स्वास्थ्य की वृद्धि हो

सुंदर और प्रेरक अनमोल जीवन संदेश हमें जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने और अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। इन संदेशों से हमें यह सीखने को मिलता है किः

1. जीत निश्चित होने पर भी हमें कायरता नहीं दिखानी चाहिए, बल्कि हमें बहादुरी से जंग लड़नी चाहिए।

2. हमें अपने आप पर भरोसा करना चाहिए और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी चाहिए।

3. हमें अपने दर्द को छुपाना चाहिए और सदैव मुस्कुराते रहना चाहिए।

4. प्रेम एक ऐसी शक्ति है जो हमें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

5. हमें अपने परिवार और समाज में सुख, शांति, शक्ति, सम्पति, स्वरुप, संयम, सादगी, सफलता, समृध्दि, साधना, संस्कार और स्वास्थ्य की वृद्धि के लिए काम करना चाहिए।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

हमारे आसपास मौजूद वायरस और बैक्टीरिया अक्सर हमें अपनी चपेट में लेकर बीमार कर देते हैं। ऐसे में वैक्सीनेशन की मदद से इन संक्रामक बीमारियों से हम सुरक्षित रह पाते हैं। वैक्सीन वायरस या बैक्टीरिया के खिलाफ हमारी रक्षा करते हुए हमें कई गंभीर बीमारियों से बचाती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि हम सब अपने लिए जरूरी वैक्सीन जरूर लगवाएं। इसलिए लोगों को वैक्सीनेशन का महत्व बताने के मकसद से हर साल 16 मार्च को नेशनल वैक्सीनेशन डे मनाया जाता है।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस का इतिहास देश में हर साल 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत साल 1995 में हुई थी। उस साल इसी दिन यानी 16 मार्च को भारत में मुंह के जरिए पोलियो वैक्सीन की पहली खुराक दी गई थी। साथ ही इस दिन भारत को पोलियो मुक्त बनाने के मकसद से सरकार ने 'पल्स पोलियो' अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान के तहत 0 से 5 साल की उम्र के सभी बच्चों को पोलियो की 2 बूंद दी गई थीं और इस अभियान के तहत साल 2014 में, भारत को पोलियो मुक्त देश घोषित किया गया था।

राष्ट्रीय वैक्सीनेशन दिवस का महत्व इस दिन की शुरुआत भले ही बच्चों की वैक्सीन के साथ हुई हो, लेकिन इसका महत्व सभी के लिए है। दरअसल, टीका सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि बड़े, बूढ़ों के लिए भी जरूरी होता है। ऐसे में लोगों को इसका महत्व समझाने से मकसद से इस दिन को मनाया जाता है। वैक्सीन कई खतरनाक और गंभीर बीमारियों को रोकने का एक प्रभावी माध्यम है। वैक्सीन के महत्व का सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में कोरोना वैक्सीनेशन के दौरान देखने को मिला। WHO के मुताबिक, हर साल टीकाकरण की मदद करीब 2-3 मिलियन लोगों की जान बचाई जाती हैं।

रोग की रोकथाम टीके व्यक्तियों को संक्रामक रोगों से बचाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, ताकि प्रतिरक्षा प्रणाली को विशिष्ट रोगजनकों को पहचानने और उनसे लड़ने के लिए प्रेरित किया जा सके। खसरा, कण्ठमाला, रूबेला, पोलियो और काली खांसी जैसी बीमारियाँ, जो कभी व्यापक थीं और महत्वपूर्ण रुग्णता और मृत्यु दर का कारण बनती थीं, टीकाकरण कार्यक्रमों के कारण दुनिया के कई हिस्सों में काफी हद तक नियंत्रित या समाप्त हो गई हैं। अपने बच्चे को टीका लगाकर, आप न केवल उनकी रक्षा करते हैं बल्कि समाज से इन बीमारियों को मिटाने के सामूहिक प्रयास में भी योगदान देते हैं।

वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में जहाँ लोग और सामान आसानी से सीमाओं के पार जाते हैं, संक्रामक रोग एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में तेज़ी से फैल सकते हैं। टीकाकरण वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि यह बीमारियों के अंतरराष्ट्रीय प्रसार को रोकता है और महामारी के जोखिम को कम करता है। अपने बच्चे को टीका लगवाकर, आप संक्रामक रोगों को नियंत्रित करने और उन्मूलन करने के वैश्विक प्रयासों में योगदान देते हैं, जिससे दुनिया सभी के लिए सुरक्षित जगह बन जाती है।

हम कब जिएंगे, बड़ा सवाल?

हम 8 घंटे काम करते हैं, सिर्फ 4 घंटे जीने के लिए। हम 6 दिन काम करते हैं, सिर्फ 1 दिन आनंद लेने के लिए। हम 8 घंटे काम करते हैं, लेकिन खाना सिर्फ 15 मिनट में खाते हैं। हम 8 घंटे काम करते हैं लेकिन सोते सिर्फ 5 घंटे हैं। हम पूरे साल काम करते हैं, बस एक या दो हफ्ते की छुट्टी के लिए। हम पूरी ज़िंदगी काम करते हैं, बस बुढ़ापे में रिटायर होने के लिए। और अंत में, बस अपनी आखिरी सांसों को टकटकी लगाए देखते रह जाते हैं। समय के साथू हमें एहसास होता है कि हमारी ज़िंदगी अपनी ही व्यंग्यात्मक छवि बनकर रह जाती है, जहां हम सदा अपने ही विस्मरण का निरंतर अभ्यास करते रहते हैं। हम भौतिक और सामाजिक दासता के इतने आदी हो चुके हैं कि अब हमें अपनी बेड़ियां दिखाई ही नहीं देतीं। यह जीवन/शरीर जिसके लिए मिला है उसे जानने/समझने से हम वंचित रह जाते हैं। ऐसा नहीं है कि हम यह सारे सामाजिक/आर्थिक/व्यावहारिक काम नहीं करेंगे। करेंगें, लेकिन साथ-साथ अपनी उस भीतरी प्रतीति पर भी एक दृष्टि सदा बनाये रखें। वास्तव में ज़िंदगी एक छोटा सा सफर है, और हम बार-बार जीवन मांगते रहतें हैं लेकिन जीते एक बार भी नहीं। हमें अपना स्मरण कब आयेगा?

परमात्मा की प्राप्ति कैसे करें-

कुछ भी समझ में न आये तो रात-दिन सिर्फ नाम जप करो। आप नाम जप को नहीं छोड़ो तो भगवान् आपको नहीं छोड़ेंगे! नामजप क्रियाशक्ति है, पर इस क्रियाशक्ति में भावशक्ति, विचारशक्ति भरी हुई हो !! नाम में अचिन्त्य, अपार शक्ति है ! नामजप से ही सब कुछ हो जायगा। तीन वर्ष क्या, तीन दिन भी करके देख लो। भगवान के गुणों का, लीलाओं का, उनके चरित्रों का अध्ययन, मनन कीजिये और नाम का जप कीजिये, भगवान की चाह अपने आप बढ़ती जायगी! भगवन नाम पापों का नाश करके ही शान्त नहीं हो जाता। पाप का नाश करने के बाद हृदय में ज्ञान की ज्योति पैदा करता है, ज्ञान के बाद भगवान् के प्रति प्रेम उत्पन्न करता है फिर स्वयं नामी खिंच आते हैं। साधक को चाहिये कि वह व्यर्थ का बोलना बन्द कर दे और उठते-बैठते, चलते-फिरते, सोते-जागते जीभ से बराबर भगवान का नाम लेता रहे। अपने जिम्मे का काम सब करे, पर काम भर को बोले और जीभ को लगाये रखे - भगवान के नाम जप में। व्यर्थ बोलना बन्द कर देने से चार लाभ होते हैं - झूठ छूटता है, परनिन्दा छूटती है, व्यर्थ की चर्चा छूटती है तथा वाणी में शक्ति आ जाती है और भगवन नाम के जपने का पूरा अवसर मिलता है। श्रीभगवान का नाम 'नाम के समान न ज्ञान है, न व्रत है, न ध्यान है, न फल है, न दान है, न शम है, न पुण्य है और न कोई आश्रय है। नाम ही परम मुक्ति है, नाम ही परम गति है, नाम ही परम शान्ति है, नाम ही परम निष्ठा है, नाम ही परम भक्ति है, नाम ही परम बुद्धि है, नाम ही परम प्रीति है, नाम ही परम स्मृति है, नाम ही जीव का कारण है, नाम ही प्रभु है, नाम ही परम आराध्य है और नाम ही परम गुरु है।'

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को फिलहाल गर्मी से राहत; कई इलाकों में बारिश के आसार; चलेंगी तेज हवाएं

दिल्ली-NCR के लोगों को गर्मी से राहत मिली है। कई इलाकों में बारिश हुई है और तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहने का पूर्वानुमान जताया है। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 72 से 48 प्रतिशत रहा।

नई दिल्ली। शुक्रवार की शाम मौसम के करवट ले लेने से दिल्ली वासियों को गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन तापमान फिर भी सामान्य से ऊपर ही बना रहा। हालांकि शुक्रवार शाम के बाद शनिवार सुबह भी कई जगह हल्की वर्षा हुई। दिन में भी बादलों की आवाजाही बनी रही व तेज हवा चलती रही। मौसम विभाग की मानें तो रविवार को भी ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान है।

शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक 33.0 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.6 डिग्री अधिक 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। पीतमपुरा का तापमान 20.6 डिग्री सर्वाधिक रहा। हवा में नमी का स्तर 72 से 48 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया। जहां तक वर्षा का सवाल का सवाल है तो शुक्रवार सुबह साढ़े आठ से शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे के दौरान 24 घंटे के दौरान आयानगर में 0.2 मिमी, राजघाट में 1.2 मिमी, मयूर विहार में 1.5 मिमी जबकि सफदरजंग, पालम, लोधी रोड पर बूंदाबांदी दर्ज की गई।

हल्की वर्षा भी होने का पूर्वानुमान

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि रविवार को सुबह के समय धुंध होगी। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। हल्की वर्षा भी होने का पूर्वानुमान है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 और 17 डिग्री रहने की संभावना है। सोमवार और मंगलवार को भी गर्मी के तेवर हल्के ही रहेंगे जबकि इसके बाद तापमान फिर से बढ़ने लगेगा।

चार सालों के दौरान इस बार सर्वाधिक रहा होली पर तापमान

इस बार होली (शुक्रवार- 14 मार्च) पर दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 7.3 डिग्री अधिक 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।यह चार सालों के दौरान सर्वाधिक है। 2024 में होली 25 मार्च को थी, तब अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री रहा था। 2023 में होली पर यानी आठ मार्च को 31.3 डिग्री रिकॉर्ड हुआ था। 2022 में 18 मार्च को यह 36.1 डिग्री और 2021 में 29 मार्च को 37.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

शनिवार को एक्यूआई 85 रहा

दिल्ली में हल्की वर्षा और तेज हवा के कारण हवा काफी साफ हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक शनिवार को दिल्ली का एक्यूआई 85 रहा। यह एक जनवरी से 15 मार्च की अवधि के लिए तीन वर्षों में सबसे कम है। पिछले साल 29 सितंबर के बाद यह पहला मौका है जब एक्यूआई 100 से नीचे आया है। तब यह 79 गया था। दूसरी तरफ इस साल का यह पहला दिन है, जब एक्यूआई 'संतोषजनक' श्रेणी के दायरे में रहा है।

नेफ्रोप्लस ने किडनी हेल्थ स्क्रीनिंग के सबसे बड़े अभियान के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब हासिल किया

मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े डायलिसिस केयर नेटवर्क नेफ्रोप्लस ने 'एक हफ्ते में ऑनलाइन किडनी हेल्थ स्क्रीनिंग के लिए सबसे अधिक लोगों द्वारा साइन अप किये जाने' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस रिकॉर्ड में 6 से 11 मार्च 2025 के बीच 10,501 लोगों ने साइन अप किया।

इस ऐतिहासिक अभियान के तहत, 6 से 8 मार्च 2025 के दौरान 26 से अधिक शहरों में 4,500 से ज्यादा किडनी हेल्थ स्क्रीनिंग टेस्ट किए गए। आने वाले दिनों में और भी परीक्षण किए जाएंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) की जल्दी पहचान और रोकथाम को लेकर जागरूकता बढ़ाना था। निःशुल्क जांच और व्यक्तिगत जोखिम आकलन के जरिए लोगों को किडनी हेल्थ के सही उपायों की जानकारी दी गई।

₹क्या आपकी किडनियां ठीक हैं? जल्दी पता करें और किडनी हेल्थ को बचाएं₹-इस स्लोगन के साथ नेफ्रोप्लस ने मुफ्त किडनी हेल्थ स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए। इस अभियान को हजारों लोगों का शानदार रिस्पॉन्स मिला, खासकर डायबिटीज और हाइपरटेंशन से ग्रसित लोगों में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। बेंगलुरु, दिल्ली, जयपुर, पुणे, हैदराबाद, लखनऊ और रांची जैसे प्रमुख शहरों में इस पहल के तहत स्क्रीनिंग ड्राइव आयोजित किए गए।

इस मौके पर नेफ्रोप्लस ने क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) पर एक नया रिसर्च स्टडी लॉन्च किया। इस स्क्रीनिंग ड्राइव के दौरान इकट्ठे किए गए विस्तृत डेटा के आधार पर एक व्हाइट पेपर प्रकाशित करने की योजना है। यह अध्ययन संभावित रूप से सीकेडी की रोकथाम पर दुनिया का पहला ग्लोबल व्हाइट पेपर होगा। इस पहल से सीकेडी को लेकर वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी और नेफ्रोप्लस की किडनी हेल्थ इनोवेशन में अग्रणी भूमिका और भी मजबूत होगी।

नेफ्रोप्लस के ग्रुप सीईओ और फाउंडर विक्रम वुप्पला ने कहा, ₹यह उपलब्धि भारत में किडनी हेल्थ को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। देश में विभिन्न क्षेत्रों में 12% से 21% लोगों को सीकेडी की समस्या होती है, लेकिन अधिकतर मामलों का एडवांस स्टेज तक पता ही नहीं चलता। इस चुनौती का सामना करने के लिए रोकथाम पर आधारित हेल्थकेयर इनिशिएटिव्स की आवश्यकता है।₹

उन्होंने आगे कहा, ₹एक साथ दो वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना इस अभियान की अभूतपूर्व सफलता को दर्शाता है। सीमित हेल्थकेयर सुविधाओं वाले समुदायों तक जल्दी जांच और सही इलाज पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।₹

वुप्पला ने कहा कि ₹सीकेडी की रोकथाम केवल स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक आर्थिक निवेश भी है।₹ उन्होंने बताया कि इस रिसर्च स्टडी के रिजल्ट सरकारों को सीकेडी रोकथाम में अधिक फंडिंग और नीतिगत बदलावों की दिशा में प्रेरित करेंगे। जल्दी जांच और समय पर उपचार से स्वास्थ्य देखभाल लागत कम हो सकती है, उत्पादकता बढ़ सकती है और लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधर सकता है।

इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग उपलब्धि के बाद, नेफ्रोप्लस की योजना आने वाले वर्षों में किडनी हेल्थ अवेयरनेस पर अपने प्रयासों को और आगे बढ़ाने की है। इस अभियान के डेटा का उपयोग नई रिसर्च और पॉलिसी एडवोकेसी में किया जाएगा, जिससे देशभर में जल्दी डायग्नोसिस और रोकथामपरक हेल्थकेयर को बढ़ावा दिया जा सके।

भारतीय बीमा विनियामक प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसीओ) को जारी किए निर्देश श्री गोपाल कैस्था

आज भारतीय बीमा विनियामक प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों (पीएसजीआईसीओ) को निर्देश जारी किए हैं कि वे जनता के बीमा लेनदेन के लिए 29/30 और 31 मार्च 2025 को अपने कार्यालय खोलें। इस संदेश के जारी होने के बाद, ओआईसी लिमिटेड ने भी उपरोक्त दिनों में जनता के लिए खुले रहने का आदेश जारी किया है।

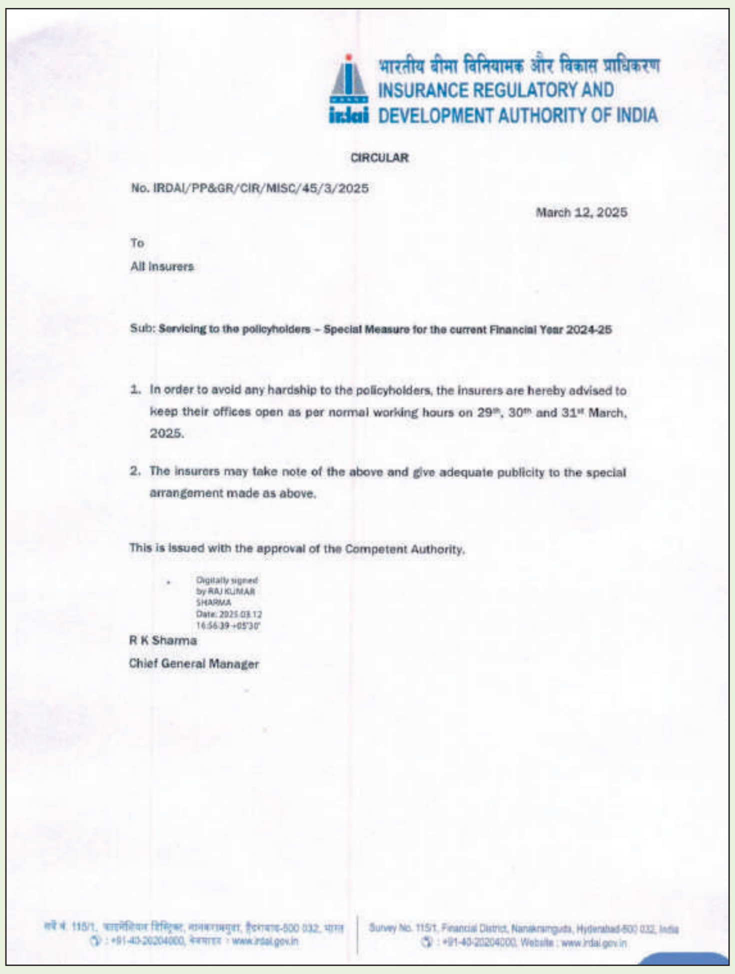

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण
INSURANCE REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY OF INDIA

CIRCULAR

No. IRDAI/PP&GR/CIR/MISC/45/3/2025

March 12, 2025

To
All Insurers

Sub: Servicing to the policyholders – Special Measure for the current Financial Year 2024-25

1. In order to avoid any hardship to the policyholders, the insurers are hereby advised to keep their offices open as per normal working hours on 29th, 30th and 31st March, 2025.
2. The insurers may take note of the above and give adequate publicity to the special arrangement made as above.

This is issued with the approval of the Competent Authority.

Digitally signed by RAJ KUMAR SHARMA Date: 2025.03.12 16:56:39 +05'30'

R K Sharma
Chief General Manager

सर्वे नं. 115/1, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानकरामगुडा, हैदराबाद-500 032, भारत | Survey No. 115/1, Financial District, Nanakramguda, Hyderabad-500 032, India
+91-40-20204000, Website : www.irdai.gov.in

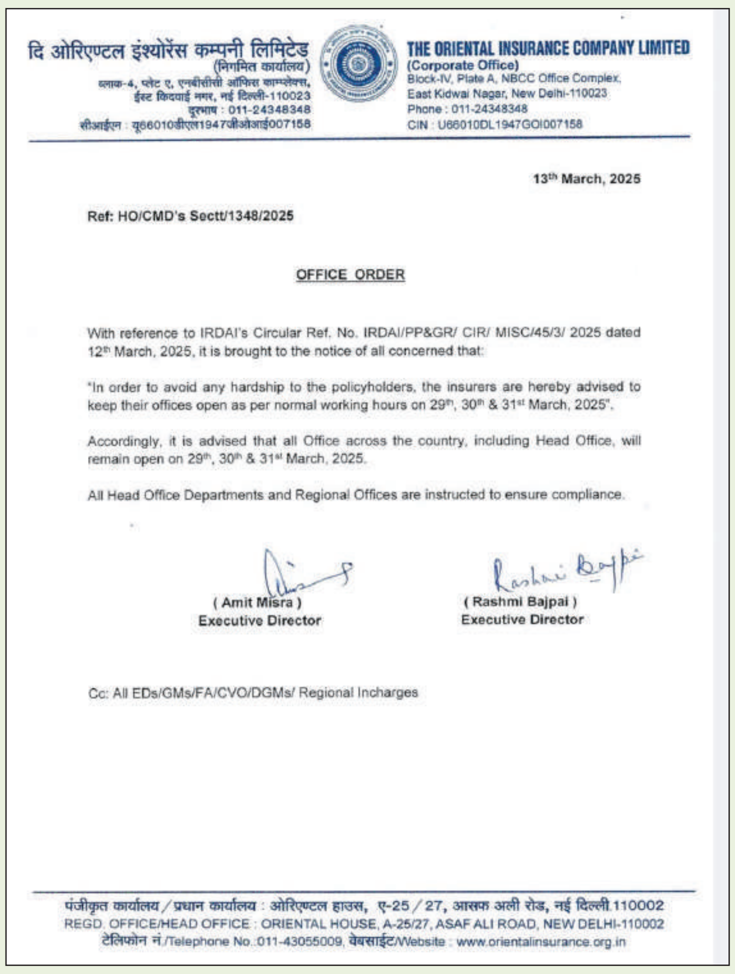

दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (निगमित कार्यालय)
ब्लाक-4, प्लेट ए, एनबीसीसी ऑफिस काम्प्लेक्स, ईस्ट किदवाई नगर, नई दिल्ली-110023
दूरभाष : 011-24348348
सीआईएन : यू66010डीएल1947जीओआई007158

THE ORIENTAL INSURANCE COMPANY LIMITED
(Corporate Office)
Block-IV, Plate A, NBCC Office Complex, East Kidwai Nagar, New Delhi-110023
Phone : 011-24348348
CIN : U66010DL1947GOI007158

13th March, 2025

Ref: HO/CMD's Sectt/1348/2025

OFFICE ORDER

With reference to IRDAI's Circular Ref. No. IRDAI/PP&GR/ CIR/ MISC/45/3/ 2025 dated 12th March, 2025, it is brought to the notice of all concerned that:

"In order to avoid any hardship to the policyholders, the insurers are hereby advised to keep their offices open as per normal working hours on 29th, 30th & 31st March, 2025".

Accordingly, it is advised that all Office across the country, including Head Office, will remain open on 29th, 30th & 31st March, 2025.

All Head Office Departments and Regional Offices are instructed to ensure compliance.

(Amit Misra)
Executive Director

(Rashmi Bajpai)
Executive Director

Cc: All EDs/GMs/FA/CVO/DGMs/ Regional Incharges

पंजीकृत कार्यालय / प्रधान कार्यालय : ओरिएण्टल हाउस, ए-25 / 27, आसफ अली रोड, नई दिल्ली 110002
REGD. OFFICE/HEAD OFFICE : ORIENTAL HOUSE, A-25/27, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002
टेलिफोन नं./Telephone No. 011-43055009, वेबसाईट/Website : www.orientalinsurance.org.in

मूवी रिव्यू : इन गलियों में नफरत नहीं मुहब्बत का पैगाम इन गलियों में

क्रिटिक रेटिंग ***

इन दिनों फिल्म नगरी में जहां इंडस्ट्री के टॉप बैनर कुछ अलग प्रयोग कर रहे है वहीं ऐसे युवा मेकर्स की भी कमी नहीं जो सिनेमा को एक नई सकारात्मक राह पर अपने दम पर ले जाने में लगे है, इसी कड़ी में अब एक और नाम जुड़ गया है फिल्म 'अनारकली ऑफ आरा' से चर्चा में आए निर्देशक अविनाश दास का जिनकी नई फिल्म 'इन गलियों में' इन दिनों दर्शको की एक खास क्लास और सोशल मीडिया में इन दिनों चर्चा में है । यह फिल्म एक पुत्र की अपने पिता जाने माने राइटर वसु मालवीय को श्रद्धा सुमन है। वसु के पुत्र पुनर्वसु ने ही इस फिल्म की पटकथा पुनर्वसु ने लिखी है तो फिल्म के अधिकांश गीत भी उन्होंने ही लिखे है। मुझे याद आता है संजय लीला भंसाली की हिट फिल्म हम दिल दे चुके सनम के गीतों की मिठास भी इस फिल्म के गीतों में है यह गीत इस फिल्म को आम मुंबईया चालू मसाला फिल्मों से पूरी तरह अलग करते है । इन गीतों की शुरुआती धुन भी पुनर्वसु ने ही तैयार की है। मेरी नजर में यह फिल्म बेहतरीन हिंदी साहित्य को एक उपहार है। यदुनाथ फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म की ज्यादातर शूटिंग लखनऊ के आस पास हुई है

स्टोरी प्लॉट

फिल्म की कहानी तीन किरदारों के करीब घूमती है दो छोटी सी तंग गलियों राम और रहीम गली की इस सीधी सादी कहानी में हिंदू मुस्लिम के बीच टोटली भाईचारे और होली के दिन दोनों गलियों के लोगों द्वारा एक साथ मिलजुल कर होली खेलने की प्यार भरी कहानी है इसी गली ने हरि राम और शब्बो रेहड़ी लगाकर सब्जी बेचते है, शब्बो के मां बाप नहीं है तो हरि अपनी मां के साथ रहता है इसी गली में मिर्जा साहिब जावेद जाफरी की चाय और कबाब की दुकान है जहां राम और रहीम गली के सभी लोग एक साथ मिलते है मिर्जा साहिब शायर है और सभी को मुहब्बत का पैगाम देते है गली में रहने वालो के बीच तकरार और नफ़रत का बीज बोता है यहां से विधायक का चुनाव लड़ रहे नेता जी जो भारत पाक के बीच होने वाले मैच को गली में बड़ी स्क्रीन लगवाकर दिखाने का प्लान बनाते है ताकि इस मैच के रिज़ल्ट के बीच वो राम और रहीम गली में दंगा करवा सके क्या नेताजी का यह प्लान सफल होता है या नहीं , यह जानने के लिए इन गलियों मे आए

ओवर ऑल

जावेद जाफरी, इश्तियाक खान, सुशांत सिंह, अवंतिका दसानी, विवान शाह, राजीव ध्यानी, हिमांशु वाजपेयी इस फिल्म के प्रमुख कलाकार है लेकिन जावेद जाफरी फिल्म की रीढ़ की हड्डी है उनकी बेहतरीन एक्टिंग टॉप है, अगर आप बेहतरीन फिल्मों के शौकीन है अच्छा गीत संगीत आपको पसंद है और जमीन से जुड़ी ऐसी कहानी पर बनी फिल्म देखना चाहते है तो आप इस गली में जरूर जाए दो घंटे से भी कम अवधि की यह फिल्म आपको स्टार्ट टू लास्ट सीट से बांधकर रखेगी, और सिर्फ यूपी ही नहीं हर राज्य की सरकार को चाहिए कि होली के इस सीजन में हिंदू मुस्लिम के बीच मुहब्बत का पैगाम देती इस फिल्म को टैक्स फ्री करे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दिल्ली के वरिष्ठ कार्यकर्ता पूर्व विधायक ओ. पी. बब्बर का 90वें जन्मदिन पर अभिनंदन किया और उनके परिजनों द्वारा बनवाई विशेष "ओ.पी.डी. आन व्हील" का लोकार्पण

मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

नई दिल्ली : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दिल्ली के वरिष्ठ कार्यकर्ता पूर्व विधायक ओ. पी. बब्बर का 90वें जन्मदिन पर अभिनंदन किया और उनके परिजनों द्वारा बनवाई विशेष "ओ.पी.डी. आन व्हील" मेडिकल वैन का लोकार्पण किया।

ओ.पी. बब्बर के 90वें जन्मदिन पर ₹एक काम देश के नाम₹ संस्था द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, संगठन महामंत्री पवन राणा एवं अनेक पदाधिकारी, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, कमलजीत सहरावत, प्रवीन खंडेलवाल एवं बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, मनजिंदर सिंह सिरसा, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, पंकज सिंह एवं रविन्द्र इंद्राज सिंह, एन.डी.एम.सी. उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल आदि।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहे पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता डा. हर्षवर्धन, राम भज, पी.के. चांदला, हरशरण सिंह बल्ली, श्याम लाल गर्ग, नंदकिशोर गर्ग, धर्मदेव सोलंकी, वेदव्यास महाजन, सुरेन्द्रपाल रातावाल, चांदराम, मूलचंद चावला, राजेश गहलोत आदि जिनके साथ अलग अलग समय पर दिल्ली भाजपा संगठन एवं विधानसभा में ओ.पी. बब्बर ने काम किया।

इस अवसर पर जगत प्रकाश नड्डा ने अपने सम्बोधन में कहा की ओ.पी. बब्बर ने सदैव निस्वार्थ राजनीति की और हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार की प्रेरणा दी। आज बब्बर के जन्मदिन के अवसर पर उनके परिजनों द्वारा समाज की सेवा संलग्न सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए मैडिकल वैन समर्पण यह श्री बब्बर के दिए संस्कारों का परिणाम है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा की श्री ओ.पी. बब्बर ने दिल्ली में विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों पर रहते हुए भाजपा संगठन के विस्तार के लिए तन मन धन समर्पित कर कार्य किया और उनका कार्य आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत है। आज इस अभिनंदन कार्यक्रम में पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं के बीच आ कर मै अभिभूत हूं और ओ.पी. बब्बर के साथ ही मैं उन सबका भी अभिनंदन करता हूं।

दिल्ली सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा ने रोहतक रोड पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया

मुख्य संवाददाता / सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली में नई सरकार गठन के बाद से ही लगातार एक्शन मोड में नजर आ रही है. दिल्ली सरकार में लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा ने आज (15 मार्च) रोहतक रोड पर चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया.

हरियाणा को दिल्ली से जोड़ने वाला यह प्रमुख कॉरिडोर काफी खराब स्थिति में है, और इस बारे में विभाग को स्थानीय निवासियों से बहुत सी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को अनावश्यक देरी और लागत बढ़ने से रोकने के लिए आवश्यक अनुमतियां लेने का काम तेज गति से करने को कहा। साथ ही निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता ना करने को लेकर ठेकेदारों और अधिकारियों को चेतावनी भी दी। इस दौरान वर्मा ने बताया कि पिता के गांव के करीब होने की वजह से इस परियोजना से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव है।

इस महीने की शुरुआत में दिल्ली सरकार ने पीरागढ़ी चौक से टिकरी बॉर्डर (दिल्ली-हरियाणा सीमा) तक 18 किलोमीटर लंबे हिस्से के निर्माण की जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को सौंप दी गई थी। तब इस बारे में जानकारी देते हुए विभाग के मंत्री वर्मा ने बताया था कि NHAI इस हिस्से के निर्माण का काम संभाल रहा है, जबकि ड्रेनेज वर्क (जल निकासी) की जिम्मेदारी PWD की है।

उधर विभाग की तरफ से जारी बयान के अनुसार इस हिस्से का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिसमें ड्रेनेज वर्क पर 115 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है और इसके 14 महीने के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। चूंकि इस निर्माणाधीन हिस्से में तीन दिल्ली मेट्रो स्टेशनों और इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) पाइपलाइनों के पास के इलाके भी शामिल हैं, इसलिए कई मंजूरियों की आवश्यकता लगेगी। ऐसे में मंत्री ने अधिकारियों को अनावश्यक देरी को रोकने के लिए अनुमति प्रक्रिया में गति लाने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान वर्मा ने कहा, 'अनुमति मिलने में देरी होने से प्रोजेक्ट की लागत बढ़ जाती है, इसलिए इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि काम बिना किसी रुकावट के चलता रहे।' रोहतक रोड की खराब स्थिति के बारे में बताते हुए वर्मा ने इस पर ध्यान ना देने को लेकर पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की आलोचना भी की।

उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर शिकायत करते थे कि सरकार का कोई प्रतिनिधि कभी इस क्षेत्र में नहीं आया। अब जल निकासी का काम शुरू हो गया है और पूरी सड़क NHAI को सौंप दी गई है। पीडब्ल्यूडी और बाढ़ नियंत्रण विभाग इस काम का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।'

निर्माण कार्य के दौरान सख्त क्वालिटी कंट्रोल पर जोर देते हुए लोनिवि मंत्री ने ठेकेदारों और अधिकारियों को चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा, 'हम ऐसी सड़कें और ड्रेनेज सिस्टम बना रहे हैं, जो सालों तक चलनी चाहिए। अगर गुणवत्ता से कोई समझौता हुआ तो ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा, साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया जाएगा।'

साथ ही वर्मा ने बताया कि खराब सड़कों की वजह से धूल और भीड़भाड़ होती है, ऐसे में शहर में प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने में ये भी प्रमुख रूप से जिम्मेदार होती हैं। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार उच्च गुणवत्ता वाली और लंबे समय तक चलने वाली सड़कें बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए वर्मा ने बताया कि इस परियोजना से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव है। उन्होंने कहा, 'मेरा गांव मुंडका यहां से करीब ही स्थित है, जो कि मेरे पिता और पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा का जन्मस्थान है। सालों से लोग इस सड़क पर धूल और गंदगी की शिकायत करते रहे हैं। पिछले हफ्ते, हमने आधिकारिक तौर पर इस हिस्से को NHAI को सौंप दिया। PWD ड्रेनेज का काम संभालेगा, जबकि NHAI सड़क का निर्माण करेगा।'

सिपाही रिजल्ट जारी होने पर बोले सीएम योगी, 12048 बेटियां बनने जा रहीं हैं यूपी पुलिस का हिस्सा

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ। सूबे की योगी सरकार एक ओर अपराधियों और माफियाओं के लिए काल बन गई है तो वहीं दूसरी ओर किसानों से लेकर नौजवानों तक का खासा ख्याल भी रख रही है।इसी क्रम में यूपी पुलिस सिपाही भर्ती में अपनी किस्मत आजमाने वाले अभ्यर्थियों को होली से पहले योगी सरकार ने बड़ा तोहफा दे दिया है। गुरुवार को सिपाही भर्ती 2023 का रिजल्ट घोषित कर दिया है। अब जल्द ही यूपी पुलिस को 60 हजार से ज्यादा नए सिपाही मिल जाएंगे। वहीं सिपाही भर्ती परीक्षा में सफल युवाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है।सीएम ने कहा कि पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के पद पर चयनित सभी 60,244 मेधावी और ऊर्जावान युवाओं को सफलता की हार्दिक बधाई।

सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस चयन प्रक्रिया के माध्यम से 12048 बेटियां उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बनने जा रही हैं।सीएम ने कहा कि शुचितापूर्ण रीति-नीति,निष्पक्ष तथा पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से आरक्षण प्रावधानों का पूरा अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सम्पन्न हुई इस चयन परीक्षा में सामान्य वर्ग के कुल 12937 अभ्यर्थी, अन्य पिछड़ा वर्ग के 16264 पदों के सापेक्ष 32052 अभ्यर्थी, अनुसूचित जाति के 12650 पदों के सापेक्ष 14026 अभ्यर्थी व अनुसूचित जनजाति के 1204 पदों के सापेक्ष 1229 अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि यह सफलता आपकी मेधा,प्रतिभा और कौशल का परिणाम है,आपके गुरुजनों और अभिभावकों का आशीर्वाद है,आप सभी को उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बनने की अनंत शुभकामनाएं। सीएम ने यूपी के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा के सफल आयोजन में संलग्न रहे उत्तर प्रदेश पुलिस रिक्रूटमेंट एंड प्रमोशन बोर्ड के सभी अधिकारियों,कर्मचारियों को साधुवाद भी दिया।

बता दें कि उत्तर प्रदेश भर्ती बोर्ड ने सिपाही भर्ती परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को होली का तोहफा दिया है।सिपाही भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम गुरुवार दोपहर को जारी कर दिया गया। अभ्यर्थी बोर्ड की वेबसाइट uppbpb.gov.in पर अपनी जन्मतिथि और रजिस्ट्रेशन नंबर डाल कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं।भर्ती बोर्ड के मुताबिक अनारक्षित पदों का कट ऑफ 225.75,आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थियों का 209.26,अन्य पिछड़ा वर्ग का 216.58,अनुसूचित जाति का 196.17 और अनुसूचित जनजाति का कट ऑफ 170.03 गया है।इसी तरह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित अभ्यर्थियों का कटऑफ 93.44, भूतपूर्व सैनिक का 114.44 और महिला अभ्यर्थियों का कटऑफ 212.11 गया है।

बता दें कि सिपाही भर्ती परीक्षा बीते साल 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को सम्पन्न हुई थी। सिपाही भर्ती परीक्षा के बाद दस्तावेजों की जांच और शारीरिक मानक परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षा हुई थी। इसमें सफल अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा में प्राप्त प्रसामान्यीकृत अंको (नार्मलाइज स्कोर) के श्रेष्ठताक्रम और आरक्षण के लम्बवत और क्षैतिज नियमों के अनुसार अंतिम परिणाम जारी किया गया है। भर्ती बोर्ड की ओर से कोई प्रतीक्षा सूची नहीं तैयार की गई है। इस परिणाम से जुड़ी हर जानकारी बोर्ड की वेबसाइट पर साझा की गई है।

गाजियाबाद में बवाल: छेड़छाड़ को लेकर दो पक्षों में पथराव, करीब 10 लोग घायल

अचानक पथराव से कॉलोनी में अफरा तफरी का माहौल बन गया। करीब तीन मिनट तक दोनों पक्षों में पथराव हुआ। किसी ने मामला बढ़ता देख इसकी सूचना पुलिस को दी।

गाजियाबाद के मुरादनगर स्थित बंबा मार्ग पर युवती से छेड़छाड़ करने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। करीब आधे घंटे तक हुए पथराव में दोनों पक्षों के 10 लोग घायल हो गये। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर सात लोगों को हिरासत में लिया है।

बंगा मार्ग आदर्शन कॉलोनी में एक युवती अपने घर जा रही थी। आरोप है कि बीच रास्ते में एक युवक ने युवती पर टिप्पणी कर छेड़छाड़ की। यह बात युवती ने अपने घर जाकर परिजनों को बताई। युवती पक्ष के लोगों ने युवक के परिजनों से शिकायत की तो उनमें विवाद हो गया। दोनों पक्ष आमने आ गए और लाठी डंडे व पत्थर चले।

अचानक पथराव से कॉलोनी में अफरा तफरी का माहौल बन गया। करीब तीन मिनट तक दोनों पक्षों में पथराव हुआ। किसी ने मामला बढ़ता देख इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठी फटकार कर झगड़ा कर रहे लोगों को खदेड़ा।

एक पक्ष से मुर्सलीन, सोनम, सोहेल व दूसरे पक्ष से रानी, सुजैन, सलीम समेत दोनों पक्षों के दस लोग घायल हो गये। एसीपी लिपि नगायच का कहना है कि घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर सात लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मौके पर तैनात है।

लखनऊ में दो महीने के लिए बीएन एस की धारा 163 लागू,धरना-प्रदर्शन पर रोक

परिवहन विशेष न्यूज

लखनऊ। सूबे की राजधानी लखनऊ में त्योहारों के मद्देनजर बीएनएस की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) आज शुक्रवार से लागू हो गई है। आने वाले दिनों में विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर प्रशासन ने 14 मार्च से बीएनएस की धारा 163 लगाने का फैसला लिया है।

बता दें कि अगले कुछ दिनों में होली,शीतला अष्टमी,रमजान, चैत्र नवरात्रि,ईद-उल-फितर,रामनवमी,महावीर जयन्ती, अम्बेडकर जयन्ती,गुड फ्राइडे,परशुराम जयन्ती,महाराणा प्रताप जयन्ती,बुद्ध पूर्णिमा जैसे त्योहार मनाए जाएंगे।ऐसे में कानून व्यवस्था बनाए रखने और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहारों को संपन्न कराने के लिए एहतियातन यह फैसला लिया गया है।

बिना इजाजत नहीं कर सकेंगे धरना-प्रदर्शन

पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है।आगामी त्योहारों के साथ-साथ मार्च से मई के बीच विभिन्न प्रवेश परीक्षाएं भी लखनऊ में आयोजित होंगी।बिना अनुमति के किसी भी प्रकार का धरना प्रदर्शन पर रोक रहेगी।सरकारी दफ्तरों,राजभवन,मुख्यमंत्री आवास, विधानभवन के आसपास नो फ्लाइंग जोन में ड्रोन कैमरे से शूटिंग, ट्रैक्टर-ट्राली, घोडा गाड़ी,बैल गाड़ी,भैसा गाड़ी, तांगा और ज्वलनशील पदार्थ,हथियार आदि लेकर आवागमन पूर्णरूप से प्रतिबन्धित रहेगा।

इन गतिविधियों पर रहेगी रोक

लखनऊ की सीमा के अन्दर बिना अनुमति के आयोजन,जिनसे कानून व्यवस्था प्रभावित होने की संभावना हो,तेज धार वाले और नुकीले शस्त्र,ज्वलनशील पदार्थ, हथियार आदि लेकर चलना,सार्वजनिक स्थलों पर पुतला जलाना,अफवाहें फैलाना,मौखिक,लिखित,इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना का प्रसारित किया जाना प्रतिबन्धित रहेगा।

निर्देशों को उल्लंघन करने पर लिया जाएगा एक्शन

लखनऊ में डिस्ट्रिब्यूशन के काम में जुड़ी कंपनियां और अन्य ऑनलाइन कम्पनियों की जिम्मेदारी होगी कि वे कर्मचारियों की नियुक्ति से पहले उनका पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से करायेंगे। कोई भी मकान मालिक जिनका मकान लखनऊ में है,वह बिना किरायेदार का पुलिस सत्यापन कराये मकान किराये पर नहीं देंगे। निर्देशों का उल्लंघन करने पर विधिपूर्ण कार्यवाही की जाएगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन आगरा की आवश्यक बैठक और होली मिलन समारोह 17 मार्च सोमवार को

परिवहन विशेष न्यूज

जिलाध्यक्ष विष्णु सिकरवार का आह्वान, "सभी पत्रकार इस बैठक और समारोह में जरूर शामिल हों ताकि संगठन की ताकत और पत्रकारों के बीच समन्वय को बढ़ावा मिल सके"

आगरा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन आगरा की जिला इकाई द्वारा 17 मार्च सोमवार सुबह दस बजे सीतापुर में हुई पत्रकार राघवेन्द्र वाजपेई की हत्या को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी आगरा को कलक्ट्रेट पर ज्ञापन सौंपेंगे। ज्ञापन के बाद 11बजे नागरी प्रचारिणी सभा भवन एम जी रोड़ पर आवश्यक बैठक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विष्णु सिकरवार ने जानकारी देते हुए बताया, ₹ इस बैठक में पत्रकारों के मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। होली मिलन समारोह एक अच्छा मौका है, जिससे संगठन की एकता और रिश्ते मजबूत होंगे। यह आयोजन पत्रकारों के आपसी संवाद और सहयोग को बढ़ावा देगा। इस बैठक में प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी भी शामिल होंगे, जो पत्रकारों की समस्याओं और संगठन की गतिविधियों पर मार्गदर्शन देंगे।₹

श्री सिकरवार ने आगे कहा,₹होली मिलन समारोह एक अच्छा मौका है, बैठक के उपरांत, संगठन के सभी सदस्यों के लिए फूलों की होली मिलन समारोह का आयोजन किया जायेगा, जिसमें पत्रकारों को एक-दूसरे से घुलने-मिलने और संगठन को और मजबूत करने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन केवल त्योहार के रंगों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से संगठन की एकता और मजबूती को भी नया आयाम मिलेगा। उन्होंने यह सुनिश्चित किया गया है कि जो सदस्य अब तक अपनी सदस्यता नवीनीकरण नहीं कर पाए हैं, वे इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं, साथ ही नए सदस्य भी संगठन से जुड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा, "और जो सदस्य अब तक अपनी सदस्यता नवीनीकरण नहीं करा सके हैं, वे इस अवसर पर इसे पूरा कर सकते हैं। साथ ही, जो भी पत्रकार संगठन से नए जुड़ना चाहते हैं, उनके लिए भी यह एक सुनहरा अवसर है। नए सदस्य अपनी सदस्यता ग्रहण कर संगठन का हिस्सा बन सकते हैं। इसके लिए सभी को आधार कार्ड, संस्थान का आई कार्ड/लेटर और दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाने होंगे।₹

अंत में, जिलाध्यक्ष विष्णु सिकरवार ने जिले के सभी पत्रकारों से इस महत्वपूर्ण बैठक और समारोह में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने की अपील की और कहा कि यह कार्यक्रम न केवल संगठन के उद्देश्यों को सशक्त बनाने का कार्य करेगा, बल्कि पत्रकारों के आपसी संवाद और समन्वय को भी बढ़ाएगा।

जिलाध्यक्ष विष्णु सिकरवार का आह्वान है कि सभी पत्रकार इस बैठक और समारोह में जरूर शामिल हों ताकि संगठन की ताकत और पत्रकारों के बीच समन्वय को बढ़ावा मिल सके। आप इस जानकारी को और विस्तृत रूप से पत्रकारों तक पहुंचाने के लिए संबंधित माध्यमों का उपयोग कर सकते हैं।

दो करोड़ का लोन लेकर भागा कंपनी मालिक

फरीदाबाद। बैंक से दो करोड़ का लोन लेकर कंपनी मालिक के भागने का मामला सामने आया है। केनरा बैंक की शाखा के प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस ने कंपनी मालिक सहित उसके गारंटर और गवाहों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केनरा बैंक शाखा सेक्टर 31 के प्रबंधन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मैसर्स दिल्ली बॉडी रिपेयरिंग ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर-58 बल्लभगढ़ में स्थित है। उसकी अन्य शाखा पुणे महाराष्ट्र में हैं। इसका मालिक इस्ताक है। फर्म ट्रक की बॉडी बनाती और मेंटेनेंस करती है। साथ ही सिविल निर्माण के ठेकेदारी का काम करती है। बैंक प्रबंधन का कहना है कि इस्ताक ने सेक्टर-4 हुंडई से कुछ सामान खरीदने के लिए दो करोड़ का टर्म लोन लेने के लिए आवेदन किया था। बैंक ने 27 अगस्त 2024 को ऋण स्वीकृत किया था। सामान के आधार पर बैंक ने 2 करोड़ रुपये आरोपी के दिए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए। बैंक प्रबंधन का आरोप है कि आरोपी ने सामान का जो बिल उपलब्ध कराया वह जाली है। धोखाधड़ी से चारों मशीने डिलीवरी लेते ही गायब कर दी। इस मामले में कंपनी मालिक इस्ताक के साथ वेंडर जे आरसेल्स, जुबैर, सप्लायर एजेंट अमजद खान, राहुल चौधरी, दीपक सिंह तथा रोहित कुमार शामिल हैं।

वैक्सीनेशन में सिरमौर देश है भारत (राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस विशेष आलेख

सुनील कुमार महला

16 मार्च को पूरे देश में राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस(नेशनल वैक्सीनेशन डे) मनाया जाता है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि यह वर्ष 1995 से हर साल 16 मार्च को मनाया जाने वाला एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है।इसे राष्ट्रीय प्रतिरक्षण दिवस के नाम से भी जाना जाता है, क्यों कि टीकाकरण से हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है। वास्तव में, यह दिवस टीकाकरण(वैक्सीनेशन)के महत्व और सार्वजनिक स्वास्थ्य में इसकी भूमिका को बताने के क्रम में मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि टीकाकरण की जीवन को बचाने में बहुत ही महत्वपूर्ण व अहम्‌ भूमिका होती है। टीकाकरण के कारण ही वर्ष 1980 में चेचक का उन्मूलन, उसके बाद कई देशों से पोलियो का उन्मूलन हो सका है, वास्तव में यह वैश्विक टीकाकरण प्रयासों की प्रभावशीलता का प्रमाण है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि साल 2024 में विश्व टीकाकरण सप्ताह की थीम 'मानवीय रूप से संभवः टीकाकरण के ज़रिए जीवन बचाना' रखी गई थी।'सभी के लिए टीकाकरण मानवीय रूप से संभव है' के बैनर तले, विश्व टीकाकरण सप्ताह 2025 का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि और भी अधिक बच्चे, किशोर, वयस्क - और उनके समुदाय - टीके से रोके जा सकने वाली बीमारियों से सुरक्षित रहें। कहना चाहूंगा कि ये टीके ही हैं जो हमारे ज्यादा जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं। बहरहाल, 16 मार्च को इस दिवस को मनाने के पीछे कारण यह है कि इसी दिन सबसे पहले वर्ष 1995 में भारत में 'ओरल पोलियो वैक्सीन' की पहली खुराक वितरित की गई थी।कार्यक्रम के अनुसार, 0 से 5 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को पोलियो वैक्सीन की 2 मौखिक बूंदें प्रदान की गईं और इसका परिणाम यह हुआ कि वर्ष 2014 में भारत पोलियो मुक्त देश बन गया। वास्तव में, यह दिन भारत सरकार के 'पल्स पोलियो अभियान' का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है, जो पूरे देश से पोलियो को मिटाने, इसे ख़त्म करने की एक नायाब व बड़ी पहल थी। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और स्वास्थ्य कर्मियों को धन्यवाद देने का एक सही अवसर है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि हम हमेशा स्वस्थ रहें। टीकाकरण से कई खतरनाक और संक्रामक रोगों को रोका जा सकता है। कुछ बीमारियों में तो टीकाकरण आजीवन स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करता है। पाठकों को बताता चलूं कि टीकाकरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें शरीर में वैक्सीन डाली जाती है, ताकि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो सके। गौरतलब है कि टीकों में सूक्ष्मजीव और वायरस मृत या जीवित अवस्था में होते हैं। टीकाकरण (वैक्सीनेशन) हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को उत्तेजित करता हैं और बीमारियों की रोकथाम करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो टीकाकरण, बीमारियों के नियंत्रण और उन्मूलन के लिए सबसे प्रभावी और लागत-कुशल कार्यक्रमों में से एक है, जो हर साल दुनिया भर में लाखों लोगों की जान बचाता है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व टीकाकरण दिवस, जो हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है, का उद्देश्य संक्रामक रोगों से बचाव और लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा में टीकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।कहना ग़लत नहीं होगा कि आज दुनिया के हर देश में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम मौजूद हैं और टीकों को मौतों को रोकने और जीवन को बेहतर बनाने के लिए सबसे सुरक्षित, सबसे किफ़ायती और सफल

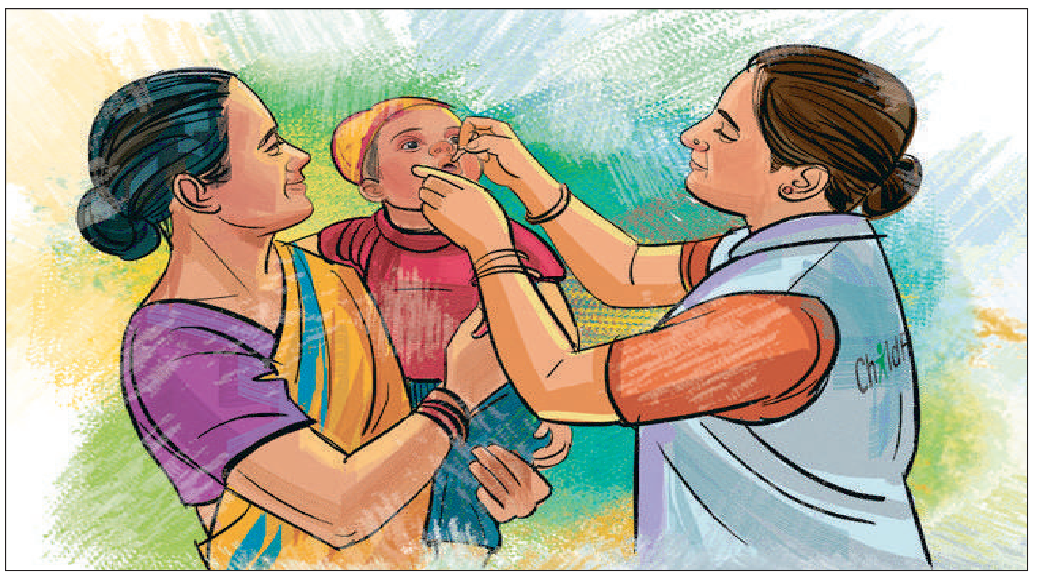

सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से एक माना जाता है। भारत में आज अनेक वैक्सीन निर्माण इकाइयां स्थापित हैं। पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने 16 जनवरी 2021 में कोविड-19 के विरुद्ध दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू किया और देश अपनी कुल आबादी के 61.3 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण करने में सफल रहा है।यह विशाल प्रयास, देश भर में टीकाकरण अभियान से जुड़े स्वास्थ्यकर्मियों और स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के योगदान से सम्भव हुआ। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार कोरोना के खिलाफ टीकाकरण अभियान में भारत ने 200 करोड़ वैक्सीन का आंकड़ा पार किया। जहां विश्व के कई देश अभी भी कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं, भारत ने टीकाकरण का बड़ा लक्ष्य हासिल करके न सिर्फ कीर्तिमान बनाया है, बल्कि दुनिया के कई देशों को राह भी दिखाई है।कोविड महामारी में भी मानव जाति पर आए इस संकट की घड़ी में दुनिया को वैक्सीन की भरपूर सप्लाई करके भारत ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत वैक्सीनेशन व वैक्सीन निर्माण में विश्व का एक अग्रणी देश है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के वैक्सीनेशन कार्यक्रम में साठ फीसदी टीके भारत में ही बनते हैं, जो दर्शाता है कि भारत टीका निर्माण में विश्व का एक सिरमौर देश है।आज भारत में टीकाकरण के लिए कई टीके उपलब्ध हैं। इनमें क्रमशः खसरा, टेटनस (धनुष बाय), पोलियो, क्षय रोग, गलघोंटू, काली खांसी, हेपेटाइटिस-बी, रोटावायरस, एचपीवी(गर्भाशय ग्रीवा कैंसर रोकने के लिए) शामिल हैं।टीकाकरण न केवल लोगों की सुरक्षा करता है, बल्कि जन-समुदाय प्रतिरक्षा का निर्माण करके सामुदायिक स्वास्थ्य को भी मजबूत करता है। पीआईबी पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार टीकाकरण दशकों से भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति का केंद्र-बिंदु रहा है, जिससे बीमारी के प्रसार और बाल मृत्यु दर को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि (यूआईपी) भारत की सबसे व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में से एक है, जिसका लक्ष्य हर साल लाखों नवजात शिशुओं और गर्भवती महिलाओं को जीवन रक्षक टीके उपलब्ध कराना है। वर्ष 1978 में टीकाकरण के विस्तारित कार्यक्रम के रूप में शुरू किये गए इस अभियान को वर्ष 1985 में यूआईपी के रूप में पेश किया गया। इसका कवरेज शहरी केंद्रों से ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ाया गया, जिससे स्वास्थ्य सेवा पहुंच में असमानताओं को दूर किया जा सके। वर्ष 1992 में, यूआईपी को बाल जीवन रक्षा और सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम में और बाद में, 1997 में राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम में शामिल किया गया। वर्ष 2005 से, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत, यूआईपी भारत के सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों का एक केंद्रीय घटक बन गया है, जो यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है कि टीके देश के सबसे दूरदराज के हिस्सों में भी हर बच्चे तक पहुँचें। यहां यदि हम आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2023-24 के लिए देश का पूर्ण टीकाकरण कवरेज राष्ट्रीय स्तर पर 93.23% है।दिसंबर 2014 में शुरू किया गया मिशन इंद्रधनुष (एमआई), भारत सरकार की एक रणनीतिक पहल है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में बच्चों के लिए पूर्ण टीकाकरण कवरेज को बढ़ाना है और 90% कवरेज लक्ष्य को हासिल करना है। मिशन इंद्रधनुष विशेष रूप से कम टीकाकरण दर वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें दुर्गम क्षेत्र और ऐसे समुदाय शामिल हैं, जहाँ बच्चों को या तो टीका नहीं लगाया गया है या आंशिक रूप से टीका लगाया गया है। यह मिशन एक लक्षित दृष्टिकोण अपनाता है और उन जिलों तथा क्षेत्रों को प्राथमिकता देता है जहाँ टीकाकरण का स्तर कम है। बहरहाल, भारत में यू-विन पोर्टल की भी शुरुआत की गई है। गौरतलब है कि यू-विन पोर्टल भारत के टीकाकरण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं और जन्म से लेकर 17 वर्ष तक के बच्चों के टीकाकरण का पूरी तरह से डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराता है। इस डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उद्देश्य वैक्सीन वितरण और रिकॉर्ड को सुव्यवस्थित करना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति आसानी से अपने टीकाकरण रिकॉर्ड तक पहुँच सके और इसका प्रबंधन कर सके। अंत में यही कहूंगा कि यह उम्मीद की जा सकती है कि वर्ष 2025 की थीम सार्वभौमिक टीकाकरण कवरेज प्राप्त करने के लिए व्यक्तियों और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली दोनों की ओर से सामूहिक भागीदारी व जिम्मेदारी पर जोर दे सकेगी।यह एक सार्वभौमिक तथ्य है कि एक बड़ी आबादी का टीकाकरण करके, हम न केवल संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकते हैं, बल्कि हमारे बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों, बच्चों सहित कमजोर समूहों के स्वास्थ्य की भी रक्षा करते हैं। इतना ही नहीं, जागरूकता बढ़ाने के अलावा, राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस टीकों से जुड़ी मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने में भी मदद करता है। निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि टीकाकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति, विशेष रूप से वंचित और दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुँचने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम, मिशन इंद्रधनुष और यू-विन पोर्टल जैसी पहलों के माध्यम से, देश ने टीकाकरण कवरेज बढ़ाने, टीके से रोके जा सकने वाली बीमारियों से निपटने और बाल मृत्यु दर को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। टीकाकरण (यह) हमारे देश को विभिन्न जटिल स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने में देश की क्षमता को रेखांकित करता है। तो आइए ! हम टीकाकरण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाएं और देश की स्वास्थ्य प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें, क्योंकि एक स्वस्थ आबादी ही विकास की असली निशानी है।

फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।

टॉप वेरिएंट में आती है ये 5 सीएनजी कारें; देती है सबसे ज्यादा माइलेज, प्रीमियम फीचर्स से भी है लैस

अगर आप एक CNG कार को खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए ही है। हम यहां पर आपको 5 ऐसी CNG कारों के बारे में बता रहे हैं जो टॉप वेरिएंट जैसे फीचर्स के साथ आती है। इतना ही नहीं इनमें प्रीमियम फीचर्स भी मिलते हैं। वहीं इनकी कीमत 11 लाख रुपये से कम है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में ऑटोमेकर कई गाड़ियां पेश करती है। इसमें पेट्रोल-डीजल और इलेक्ट्रिक से लेक CNG तक की गाड़ियां शामिल हैं। पहले CNG ऑप्शन को केवल कारों के बेस-वेरिएंट में लाया जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब यह बेस वेरिएंट के साथ ही टॉप-वेरिएंट में भी आने लगी है। अगर आप एक ऐसी CNG कार खरीदना चाहते हैं, जिसमें वह सभी फीचर्स मिले, जो किसी कार के टॉप वेरिएंट मिलता है, तो यह खबर आपके लिए ही है। हम यहां पर आपको 5 ऐसी CNG कारों के बारे में बता रहे हैं, जो टॉप वेरिएंट के साथ आती है और इनमें भरपूर फीचर्स भी मिलते हैं।

1. Maruti Swift

कीमतः 9.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

वेरिएंटः ZXI (एक वेरिएंट नीचे टॉप)

नई जनरेशन की Maruti Swift के CNG ऑप्शन को ZXI वेरिएंट में भी पेश किया जाता है। इसमें वह सभी फीचर्स दिए जाते हैं, जो मारुति स्विफ्ट के टॉप वेरिएंट में मिलते हैं। इसमें 7-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, 6-स्पीकर साउंड सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जर, और ऑटोमेटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। वहीं, लोगों की सुरक्षा के लिए Swift को 6 एयरबैग्स, ABS के साथ EBD, रियर पार्किंग सेंसर्स और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। इसका 1.2-लीटर इंजन CNG मोड में 69.75 PS की पावर और 101.8 का टॉर्क जनरेट करता है, जिसे 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से जोड़ा गया है। कंपनी की तरफ से दावा किया जाता है कि यह एक किलो CNG में 32.85 किलोमीटर तक का माइलेज देती है।

2. Tata Tigor

कीमतः 9.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

वेरिएंटः XZ Plus Lux (टॉप-एंड)

Tata Tigor CNG को AMT (ऑटोमेटेड मैन्युअल ट्रांसमिशन) ऑप्शन के साथ पेश किया जाता है और इसमें टॉप वेरिएंट के सभी फीचर्स मिलते हैं। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, ऑटो AC, रेन-सेंसिंग वाइपर्स और 8-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स को शामिल किया है। वहीं, लोगों की सुरक्षा के लिए 2 एयरबैग्स, हिल होल्ड असिस्ट, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS), और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें 1.2-लीटर इंजन दिया गया है, जो 75.5 PS की पावर और 96.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी की तरफ से दावा किया जाता है कि Tata Tigor CNG का माइलेज 26.49 km/kg तक है।

3. Maruti Dzire

कीमतः 9.89 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

वेरिएंटः ZXI (एक वेरिएंट नीचे टॉप)

Maruti Dzire को CNG ऑप्शन के रूप में ZXI और VXI में पेश किया जाता है। इसमें 7-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जर, 6-स्पीकर साउंड सिस्टम और ऑटो AC जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सेफ्टी फीचर्स के रूप में 6 एयरबैग्स, हिल होल्ड असिस्ट, ABS के साथ EBD और रिवर्स पार्किंग सेंसर्स को शामिल किया गया है। इसके CNG पावरट्रेन में 1.2-लीटर इंजन दिया गया है, जो 69.75 PS की पावर और 101.8 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसका CNG पावरट्रेन 33.73 km/kg तक का माइलेज देता है।

4. Tata Punch

कीमतः 10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

वेरिएंटः Accomplished Plus Sunroof (दो वेरिएंट नीचे टॉप)

Tata Punch के CNG पावरट्रेन को 1.2-लीटर इंजन के साथ पेश किया जाता है, जो 73.5 PS की पावर और 103 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, क्रूज़ कंट्रोल, और रिवर्स पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स दिए गए हैं। वहीं, लोगों की सेफ्टी के लिए 2 एयरबैग्स और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसी सेफ्टी फीचर्स से लैस किया गया है। टाटा पंच का सीएनजी पावरट्रेन 26.99 km/kg तक का माइलेज देता है।

5. Tata Altroz

कीमतः 11 लाख रुपये (एक्स-शोरूम)

वेरिएंटः XZ Plus OS (टॉप-एंड)

Tata Altroz CNG को XZ Plus OS वेरिएंट में पेश किया जाता है। इसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले, वॉयस-एक्टिवेटेड सिंगल-पैन सनरूफ, और एयर प्यूरीफायर जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसमें लोगों की सेफ्टी के लिए 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, 360-डिग्री कैमरा, और ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर जैसे फीचर्स को शामिल किया गया है। Tata Altroz CNG में 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन 73.5 PS की पावर और 103 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

कब और कैसे बदलें कार के इंजन का स्पार्क प्लग? रिप्लेस करते समय किन बातों का रखना चाहिए ध्यान

सही समय पर कार के इंजन का स्पार्क प्लग बदलने पर उसकी परफॉर्मेंस में सुधार होने के साथ ही फ्यूल एफिशिएंसी बेहतर होती है। वहीं इसे समय-समय पर बदलना जरूरी है ताकि आपकी कार के इंजन में किसी तरह की समस्या न हो और वह सही से काम करें। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि कार के इंजन के स्पार्क प्लग को कब बदलना चाहिए।

नई दिल्ली। कार के इंजन में स्पार्क प्लग (Spark Plug) काफी जरूरी पार्ट होता है। यह इंटेक एयर-फ्यूल मिक्सर को जलाने का काम करता है। अगर यह सही से काम नहीं करें तो इंजन की पावर और फ्यूल की खपत पर सीधा असर पड़ता है। समय के साथ स्पार्क प्लग अपनी कैपेसिटी को खो देते हैं, जिसकी वजह से उन्हें रिप्लेस करना जरूरी हो जाता है। यहां पर हम आपको बता रहे हैं कि आपको कब और कैसे स्पार्क प्लग को बदलना चाहिए और इसे रिप्लेस करने के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

कब बदलें स्पार्क प्लग?

कार के इंजन के स्पार्क प्लग को सामान्यतः 30,000 से 50,000 किलोमीटर चलने के बाद बदलने की सलाह दी जाती है। वहीं, ऑटोमेकर मॉडल के आधार पर इसे बदलने का समय अलग-अलग देती है। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि स्पार्क प्लग को बदलने के लिए इंजन से क्या संकेत मिलते हैं।

इंजन में मिसफायरिंगः अगर इंजन सही से काम नहीं कर रहा है गाड़ी अचानक से रुक जाती है, तो यह स्पार्क प्लग के खराब होने का संकेत हो सकता है।

फ्यूल की ज्यादा खपतः अगर आपकी कार पहले से कम माइलेज या सामान्य से ज्यादा फ्यूल की खपत कर रही है, तो आपको स्पार्क प्लग को जरूर चेक करना चाहिए।

कार का स्टार्ट न होनाः अगर सुबह के समय कार को स्टार्ट होने में समस्या आ रही है, तो यह स्पार्क प्लग के खराब होने की वजह हो सकती है।

इंजन परफॉर्मेंस में कमीः जब स्पार्क प्लग खराब हो जाता है, तो इंजन की पावर कम हो सकती है। इससे आपको ड्राइविंग में समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

स्पार्क प्लग बदलते समय इन बातों का ध्यान रखें

सही स्पार्क प्लग का चयन करेंः अलग-अलग कार मॉडल के लिए अलग-अलग तरह के स्पार्क प्लग होते हैं। अपनी कार के मैनुअल के अनुसार ही स्पार्क प्लग का चुनाव करें।

गेप को सही से सेट करनाः स्पार्क प्लग को बदलते समय इसके गेप (Electrode gap) को सही से सेट करना जरूरी होता है। यह स्पार्क प्लग के दोनों इलेक्ट्रोड के बीच की दूरी होती है। गलत गेप से इंजन की परफॉर्मेंस और भी ज्यादा खराब हो जाती है।

सही टूल्स का इस्तेमाल करेंः कार के इंजन के स्पार्क प्लग को बदलते समय सही टूल्स का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। इसे बदलने के लिए रिंच और स्पार्क प्लग गेज की जरूरत होती है। प्लग को हल्के हाथों से फिट करें, क्योंकि ज्यादा टाइट हो जाने पर इंजन हेड या प्लग को नुकसान हो सकता है।

इंजन ठंडा होना चाहिएः जब भी स्पार्क प्लग को बदले तो इस बात का ध्यान रखें कि इंजन पूरी तरह से ठंडा हो। दरअसल, गर्म इंजन पर काम करना आपके लिए खतरनाक हो सकता है और इंजन के अन्य हिस्सों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

इंजन के आसपास की सफाईः स्पार्क प्लग को बदलते समय इंजन के आसपास की जगह को अच्छी तरह से साफ कर लें, ताकि कोई गंदगी इंजन में न गिर जाएं।

कार के मैन्युअल का पालन करेंः हर कार का मैन्युअल अलग-अलग होता है और इसमें स्पार्क प्लग को बदलने की प्रक्रिया भी सही दी जाती है। इसे ध्यान से पढ़ें और उसी के मुताबिक स्पार्क प्लग को बदलें।

कार के विंडशील्ड को कैसे करें क्लीन, साफ करते समय इन 4 बातों का रखें ध्यान

कार के विंडशील्ड को साफ करने से न केवल ड्राइविंग एक्सपीरियंस बेहतर होता है बल्कि आपकी सुरक्षा भी बनी रहती है। एक साफ विंडशील्ड से सामने से आने-जाने वाली चीजें आसानी से दिखाई देती है खासकर रास और बारिश के समय में। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको कार की विंडशील्ड को साफ करने के तरीके के बारे में बता रहे हैं।

नई दिल्ली। कार की विंडशील्ड ड्राइविंग को बेहतर बनाने के लिए काफी जरूरी होती है। यह न केवल ड्राइवर को सामने से आने वाली गाड़ियों को दिखाती है, बल्कि खराब मौसम और धूल-मिट्टी से भी सुरक्षा करती है। समय के साथ विंडशील्ड पर धब्बे, गंदगी, और पानी के धक्के लग जाती है, जिसकी वजह से सामने की दृश्यता कम हो जाती है। इसलिए इसे समय-समय पर साफ करना बेहद जरूरी हो जाता है। हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि कार के विंडशील्ड को आप घर पर कैसे साफ कर सकते हैं और साफ करने के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

विंडशील्ड को साफ करने की चीजें

गर्म पानीः विंडशील्ड पर लगे गंदगी और धब्बे को आसानी से हटाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

विंडशील्ड क्लीनरः इसका इस्तेमाल पर कार के विंडशील्ड को साफ करने के लिए कर सकते हैं।

माइक्रोफाइबर क्लॉथः यह काफी नर्म होता है, इससे क्लीन करने पर कांच की सतह पर खरोंच नहीं आती है।

विंडशील्ड वाइपरः इसका इस्तेमाल बारिश के मौसम में कांच को साफ करने के लिए किया जाता है।

विंडशील्ड को साफ करने की प्रक्रिया

कार के विंडशील्ड को सुबह या शाम के समय साफ करना चाहिए। अगर आप इसे धूप में साफ करेंगे, तो क्लीनर जल्दी सूख सकता है और कांच पर धब्बे पड़ सकते हैं।

सबसे पहले आपको विंडशील्ड पर जमी हुई धूल और मलबे को साफ करना चाहिए। इसके बाद सूखी माइक्रोफाइबर क्लॉथ का इस्तेमाल करें। इससे कांच पर खरोंच भी नहीं आएगी।

इसके बाद स्प्रे क्लीनिंग सॉल्यूशन का इस्तेमाल करें। उसे विंडशील्ड पर स्प्रे करें और सुनिश्चित करें कि वह पूरे कांच पर सामान रूप से स्प्रे हो जाएं।

क्लीनिंग सॉल्यूशन को स्प्रे करने के बाद आप माइक्रोफाइबर क्लॉथ से हल्के हाथों से कांच को रगड़ें। यह कांच को क्लीन करने के साथ ही उसे शाइन भी देगा।

अगर आपके पास वाइपर है, तो उसका भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पानी और गंदगी को जल्दी से हटा देता है।

विंडशील्ड को साफ करते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

विंडशील्ड को साफ करते समय यह सुनिश्चित करें कि आपकी कार के वाइपर सही से काम कर रहे हैं। अगर वाइपर खराब है, तो कांच पर धब्बे या लकीरें बन सकती है। इसके साथ ही वाइपर ब्लेड को समय-समय पर बदलते भी रहें।

विंडशील्ड को क्लीन करने के लिए किसी हार्श केमिकल का इस्तेमाल न करें, क्योंकि यह कांच की सतह को नुकसान पहुंचा सकता है। आप विंडशील्ड क्लीनर का ही इस्तेमाल करें।

कांच को समय-समय पर नियमित रूप से साफ करते हैं, क्योंकि अगर विंडशील्ड पर जमी गंदगी ज्यादा देर तह रह जाती है, तो यह कांच को दागदार बना सकती है।

ठंड के मौसम में विंडशील्ड को साफ करने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। यह विंडशील्ड पर जमी बर्फ या पानी के धब्बों को आसानी से हटाने में मदद करता है और कांच साफ हो जाता है।

टाटा टिआगो एनआरजी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च, जानिए नई टाटा टियागो से कितनी है अलग

परिवहन विशेष न्यूज

हाल ही में टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में Tata Tiago NRG के अपडेटेड वर्जन को लॉन्च किया है। इसके लॉन्च होने से पहले ऑटोमेकर रेगुलर Tata Tiago को कई अपडेट दे चुका है। दोनों ही लुक्स में मामले कुछ एक-दूसरे से अलग दिखाई देती है। वहीं इनके इंटीरियर में भी हल्के बदलाव देखने के लिए मिले हैं।

नई दिल्ली। Tata Tiago NRG को हाल ही में अपडेटेड मॉडल को लॉन्च किया गया है। इसके इंटीरियर और एक्सटीरियर दोनों में ही कई बदलाव किए गए हैं। इससे पहले रेगुलर टाटा टियागो को भी अपडेट किया गया था, जिसके तहत इसमें कई तरह के बदलाव देखने के लिए मिले थें। आइए जानते हैं कि हाल में लॉन्च हुई Tata Tiago NRG वर्जन नई मानक टाटा टियागो से कितनी अलग है।

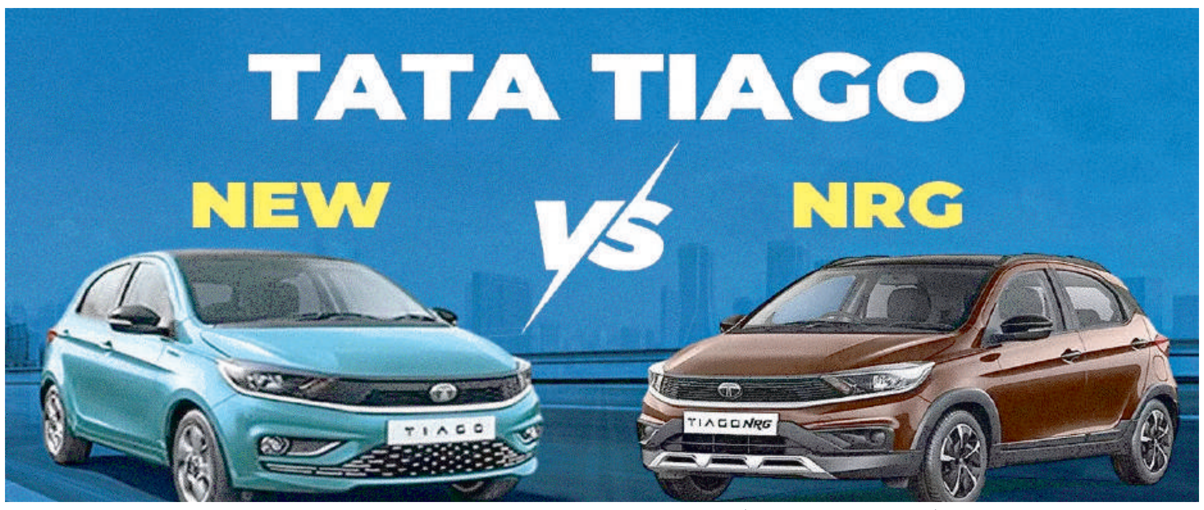

1. डिजाइन

फ्रंट लुकः 2025 अपडेट के साथ Tata Tiago के दोनों वर्जन में अपडेटेड ग्रिल और एलईडी हैड लाइट्स दी गई है। हालांकि, Tiago NRG में ब्लैक-आउट बम्पर और सिल्वर स्किड प्लेट दी गई है, जो इसे रेगुलर टियागो से अलग दिखाते हैं। वहीं, रेगुलर टाटा टियागो में क्रोम-फिनिश एयर डैम और फॉग लाइट्स दी गई हैं, जो टियागो NRG में देखने के लिए नहीं मिलती है।

साइड प्रोफाइलः Tata Tiago NRG में कवर के साथ 14-इंच स्टील व्हील दी गई है, जबकि नई Tiago में 15-इंच ड्यूल-टोन अलॉय व्हील दिए गए हैं। Tiago NRG का ग्राउंड क्लीयरेंस 181 mm दी गई है और साइड बॉडी क्लैडिंग, ब्लैक आउट डोर हैंडल और ORVM दिए गए हैं, जो इसे रेगुलर टियागो से अलग दिखते हैं।

रियर लुकः Tata Tiago NRG को काफी रग्ड लुक दिया गया है। इसके रियल लुक की बात करें, तो इसके बंपर पर ब्लैक ट्रीटमेंट के साथ सिल्वर स्किड प्लेट दी गई है। वहीं, इसके टेलगेट पर ग्रेगार्निश किया गया है, वो भी NRG' मॉनीकर के साथ। उसके टेलगेट के निचले हिस्से पर क्रोम गार्निश के साथ रेगुलर टियागो काफी छोटी दिखाई देती है।

2. इंटीरियर

रेगुलर Tata Tiago में डुअल-टोन ग्रे और व्हाइट केबिन थीम दी गई है, जबकि Tiago NRG में ब्लैक सीट अपहोल्स्ट्री के साथ ऑल-ब्लैक केबिन दी गई है। टियागो के दोनों वर्जन में सेंट्रल AC वेंट को फिर से डिजाइन किया गया है। इसमें 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील भी दी गई है।

Tiago और Tiago NRG दोनों में ही 10.25 इंच की टचस्क्रीन, अपडेटेड डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, ऑटो हेड लाइट्स और इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल और फोल्डेबल ORVM जैसे फीचर्स दिए गए हैं। वहीं, टाटा टियागो का स्टैंडर्ड वर्जन ऑटो AC के साथ आता है।

दोनों ही मॉडल में लोगों की सेफ्टी के लिए डुअल फ्रंट एयरबैग्स, रियर पार्किंग कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ESC) जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

3. इंजन

Tata Tiago और Tiago NRG दोनों को ही पेट्रोल और CNG पावरट्रेन के साथ लेकर आया गया है। दोनों में ही 1.2-लीटर पेट्रोल और 1.2-लीटर पेट्रोल-CNG इंजन दिया गया है। इसका पेट्रोल इंजन 86 PS की पावर और 113 Nm का टॉर्क और CNG इंजन 75.5 PS की पावर और 95.5 Nm का टॉर्क जनरेट करता है।

4. कीमत

Tata Tiago NRG भारतीय बाजार में 7.20 लाख से लेकर 8.75 लाख रुपये तक की एक्स-शोरूम कीमत में आती है, जबकि रेगुलर Tata Tiago भारत में 5 लाख से लेकर 8.45 लाख रुपये की एक्स-शोरूम कीमत में उपलब्ध है। भारतीय बाजार में इनका मुकाबला Maruti Swift और Hyundai Grand i10 Nios से देखने के लिए मिलता है।

जारी है अपने हिस्से के आकाश की तलाश

विजय गर्ग

आत्मनिर्भरता के स्तर पर नारी सशक्तीकरण को प्रमाणित करती है नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच, ट्रांस यूनियन सिबिल तथा माइक्रोसेव कंसल्टिंग द्वारा संयुक्त रूपेण तैयार की गई ताज़ा रिपोर्ट, जोकि देश में महिलाओं की वित्तीय प्रगति एवं क्रेडिट जागरूकता के मद्देनज़र हो रही उल्लेखनीय वृद्धि का तथ्य उजागर करती है।

आत्मनिर्भरता अपने आप में एक महत्वपूर्ण गुण है, जो मनुष्य को स्वावलंबी बनाने के साथ मानसिक तौर भी सशक्त होने का अहसास दिलाता है। महिलाओं के दृष्टिकोण से विचारें तो वित्तीय संयोजन से अभिप्राय मात्र अपने पैरों पर खड़े होने तक सीमित न होकर आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वतंत्रता, सुरक्षा और शक्ति के बारे में है, जो उनके व्यक्तिगत जीवन से लेकर समुदायों, समाज तथा भावी पीढ़ियों तक को बदल सकता है।

यूं भी महिलाओं का घर की चारदीवारी में सिर्फ़ चूल्हे–चौके तक सीमित रहना बीते युगों की बात हो चुकी है। आधुनिक नारी घर-परिवार संभालने के साथ पारिवारिक आमदनी बढ़ाने में भी पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। विविध क्षेत्रों से संबद्ध निजी व सरकारी संस्थाओं में सेवाएं देने के साथ आज ऐसी महिलाओं की भी कमी नहीं, जो नौकरी करने की अपेक्षा स्वरोज़ग़ार सृजित करने की आकांक्षी हैं। ये महिलाएं बड़े शहरों की उच्च डिग्रीधारक न होकर किसी छोटे से गांव या कस्बे से संबंधित हो सकती हैं, जिनके मन में कुछ अलग कर दिखाने का जज़्बा भरा है।

आत्मनिर्भरता के स्तर पर नारी सशक्तीकरण को प्रमाणित करती है नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच, ट्रांस यूनियन सिबिल तथा माइक्रोसेव कंसल्टिंग द्वारा संयुक्त रूपेण तैयार की गई ताज़ा रिपोर्ट, जोकि देश में महिलाओं की वित्तीय प्रगति एवं क्रेडिट जागरूकता के मद्देनज़र हो रही उल्लेखनीय वृद्धि का तथ्य उजागर करती है।

आसमान छूने की इन साहसिक कल्पनाओं में सतरंगी आभा भरने का श्रेय काफी हद तक जाता है उन योजनाओं को, जो उद्यमिता के क्षेत्र में पदार्पण की चाहवान महिलाओं को बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर ऋण सुविधा प्रदान करते हुए उन्हें स्वरोज़ग़ार के अवसर उपलब्ध करवाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। इनमें प्रमुख हैं जन धन योजना, महिला उद्यमी मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया तथा प्रधानमंत्री रोज़ग़ार प्रोत्साहन योजना। इसके साथ माइक्रोफाइनेंस संस्थान एवं महिला-केंद्रित क्राउडफंडिंग प्लेटफ़ार्म जैसे ग्रामीण फाउंडेशन इंडिया, मिलाप आदि भी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के इस सद्प्रयास में मददग़ार बनकर आगे आ रहे हैं।

यह परिदृश्य स्पष्ट संकेत है आधुनिक नारी की उस प्रगतिशील सोच का, जो वित्तीय प्रबन्धन में स्वायत्तता की हिमायती है। रिपोर्ट के मुताबिक़, विगत पांच वर्षों में कर्ज़ लेने वाली महिलाओं की संख्या में तीन गुना बढ़ोतरी देखने में आई। इन महिलाओं में से 60 फ़ीसदी ग्राम्य अथवा अर्धशहरी क्षेत्रों से संबंध रखती हैं; सामाजिक व आर्थिक विकास के दृष्टिगत निश्चय ही यह एक सुखद संकेत है।

निःसंदेह, बैंकिंग व्यवस्था में डिजिटल भुगतान ने महिलाओं के लिए कर्ज़ लेना व इसका प्रबन्धन करना अपेक्षाकृत सरल बना दिया है, जिसके चलते व्यावसायिक उद्देश्य की पूर्ति हेतु लिए जा रहे कर्ज़ में महिलाओं की भागीदारी 14 फ़ीसदी बढ़ी। वे नियमित तौर पर अपने क्रेडिट स्कोर भी जांच रही हैं। यही नहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की एक पूर्व रिपोर्ट के मुताबिक़, देश के शेयर बाज़ार निवेशकों में हर चौथा निवेशक एक महिला ही है।

वित्तीय आत्मनिर्भरता न केवल आर्थिक स्वतंत्रता देती है बल्कि पुरानी रूढ़ियों को चुनौती देते हुए सांस्कृतिक मानदंडों को भी बदलती है। दरअसल, वित्तीय स्वतंत्रता व आत्मविश्वास के मध्य घनिष्ठ संबंध है। अध्ययनों से पता चला है कि महिलाएं जब वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण रखते हुए प्रभावी ढंग से प्रबंधित करती हैं तो इससे उनका आत्मसम्मान बढ़ता है। वे यह जानकर अच्छा महसूस करती हैं कि वे अपने व परिवार के लिए प्रावधान कर सकती हैं। सुरक्षित होने की भावना जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी आत्मविश्वास बढ़ाती है, जिसमें उनके करियर व रिश्ते भी शामिल हैं।

इसके बावजूद संख्या के आधार पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में देश की आधी आबादी की हिस्सेदारी अभी मात्र 18 फ़ीसदी है। इसमें एक बड़ा कारण है, पर्याप्त जानकारी का अभाव। महिलाएं अक्सर ऐसे नेटवर्क्स तथा मार्गदर्शकों तक पहुंच नहीं बना पातीं, जो उनके व्यवसाय के विकास हेतु अनिवार्य माने गए हैं। व्यवसाय पंजीकरण, संपत्ति अधिकारों तथा लाइसेंसिंग जैसी कानूनी समस्यायों के साथ तकनीकी संसाधनों व डिजिटल उपकरणों की कमी आदि भी एक बड़ी समस्या बनकर उभरती है। सामाजिक दबाव, अत्यधिक अपेक्षाएं एवं महिलाओं के कौशल व नेतृत्व क्षमता पर उठाए जाते प्रश्न भी उसे बेझिझक आगे बढ़ने से रोकते हैं।

निस्संदेह, महिलाओं के प्रति समाज का नज़रिया काफी हद तक बदला है किंतु इसे समानता तक पहुंचने में अभी मीलों सफ़र तय करना बाकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के तहत, देश की श्रमशक्ति में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर हो जाए तो जीडीपी में 27 फ़ीसदी तक वृद्धि हो सकती है। पर्याप्त अवसर व संसाधन मिलें तो निश्चय ही देश की अर्थव्यवस्था में महिलाएं निर्णायक योगदान दे पाएंगी।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

घर में हो या वर्किंग वूमेन... वेतन, छुट्टी न प्रमोशन

विजय गर्ग

एक औरत से पूछा कि आप हाउस वाइफ हो या वर्किंग वूमेन? वो बोली, मैं फुल टाइम वर्किंग वूमेन हूं। सुबह सबको उठाती हूं तो अलार्म घड़ी हूं, रसोइया हूं, धोबिन हूं, टेलर हूं, कामवाली बाई हूं, बच्चों की टीचर हूं, बड़े-बूढ़ों की नर्स हूं, हर वक्त घर में रहती हूं सो सिक्योरिटी गार्ड हूं। मेहमानों की रिसेप्शनिस्ट हूं, शादी-ब्याह में सजधज कर जाती हूं तो मॉडल कहलाती हूं, मेरा कोई वर्किंग आवर नहीं है, न छुट्टी, न वेतन, न इंक्रीमेंट, न प्रोमोशन। बस एक सवाल का सामना करना होता है कि मैं दिनभर करती क्या हूं।

उसके सारे कामों में सबसे ज्यादा मीन-मेख होती है उसके बनाये भोजन पर। एक मनचले ने पत्नी की परिभाषा दी है कि पत्नी उस शक्ति का नाम है जिसके घूर कर देखने भर से टिंडे की सब्जी में भी पनीर का स्वाद आने लगता है। वैसे अपने परिवारों में एक कन्फ्यूजन यह है कि रेस्टोरेंट में घर जैसा खाना चाहिए और घर में रेस्टोरेंट जैसा चटपटा। अब रसोई की रानी करे भी तो क्या करे। दाल-रोटी चूरमा-चटनी से लेकर बर्गर-नूडल तक तो बनाने लग गई है। यूट्यूब मास्टर से कोचिंग ले-लेकर तरह-तरह के छौंक लगा रही है, पकवान बना रही है। पर बच्चे खाने को देखते ही कहते हैं- क्या मम्मी यार... ये क्या बना दिया।

एक वह समय था जब समाज यह चाहता था कि बहू-बेटियां घरों में रहें और नौकरी की न सोचें। आज हर परिवार चाहता है कि बेटे के लिये वर्किंग बहू मिल जाये। उनकी समझ में आ गया कि दहेज तो एक बार ही मिलेगा और वर्किंग वूमेन आ गई तो हर महीने चैक आयेगा। हमारे बड़े-बुजुर्गों की सोच में बदलाव आया है कि महिलाएं पैसे कमाने चाहे चांद तक पहुंच जायें लेकिन चांद तक जाने से पहले वे रोटी-दाल बनाकर और चटनी कूट कर जायें।

सारा दिन किचन में वह एक टांग पर खड़ी रहे, कोई नहीं देखेगा। दो मिनट मोबाइल पकड़ ले, उसे सारे घूरने लगेंगे। एक मनचले का कहना है कि महिला दिवस था तो सात मार्च को, पर महिलाओं को तैयार होकर आने में वक्त लग गया, वे आठ मार्च को पहुंची और इसीलिये आठ मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है।

4 घंटे में पुनर्नवीनीकरण 94% प्लास्टिक: वैज्ञानिक हवा की नमी द्वारा संचालित नई विधि विकसित करते हैं

विजय गर्ग

यह प्रक्रिया एक सस्ती उत्प्रेरक के साथ शुरू होती है जो पॉलिएस्टर परिवार में सबसे व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) में बांड को तोड़ देती है। एक बार टूट जाने के बाद, सामग्री बस परिवेश हवा के संपर्क में आती है ताकि पीईटी को मोनोमर्स में स्थानांतरित किया जा सके - प्लास्टिक के आवश्यक निर्माण ब्लॉक।

शोधकर्ताओं का मानना है कि इन मोनोमर्स को तब पुनर्नवीनीकरण या अधिक मूल्यवान सामग्रियों में अपचक्रित किया जा सकता है।

नई तकनीक, जो वर्तमान प्लास्टिक रीसाइक्लिंग विधियों की तुलना में सुरक्षित, सस्ती और अधिक टिकाऊ है, प्लास्टिक के लिए एक परिपत्र अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक आशाजनक रास्ता प्रदान करती है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, ₹हमारे शोध के बारे में विशेष रूप से रोमांचक यह है कि हमने प्लास्टिक को तोड़ने के लिए हवा से नमी का दोहन किया, एक असाधारण स्वच्छ और चयनात्मक प्रक्रिया प्राप्त की,₹ योसी क्रेटिश, जो अध्ययन के सह-लेखक भी हैं।

सतत समाधान शोधकर्ताओं ने मोलिब्डेनम उत्प्रेरक और सक्रिय कार्बन का उपयोग किया - जिनमें से दोनों सस्ती, प्रचुर और गैर विषैले हैं। प्रक्रिया शुरू करने के लिए, उन्होंने पीईटी को उत्प्रेरक और सक्रिय कार्बन के साथ जोड़ा और फिर मिश्रण को गर्म किया। पॉलिएस्टर प्लास्टिक में रासायनिक बांड से जुड़ी दोहराई जाने वाली इकाइयों के साथ बड़े अणु होते हैं। थोड़े समय के भीतर, ये बंधन टूट गए।

इसके बाद, शोधकर्ताओं ने खंडित सामग्री को हवा में उजागर किया। नमी के एक निशान के साथ, यह पॉलीएस्टर के लिए एक अत्यधिक मूल्यवान अग्रदूत टेरेफ्थेलिक एसिड (टीपीए) में बदल गया। केवल बायप्रोडक्ट एसिटलडिहाइड था, जो वाणिज्यिक मूल्य के साथ आसानी से हटाने योग्य औद्योगिक रसायन था।

"औसतन, अपेक्षाकृत शुष्क परिस्थितियों में भी, वातावरण में लगभग 10,000 से 15,000 घन किलोमीटर पानी है

"हवा की नमी का लाभ उठाना हमें थोक सॉल्वैंट्स को खत्म करने, ऊर्जा इनपुट को कम करने और आक्रामक रसायनों के उपयोग से बचने, प्रक्रिया को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की अनुमति देता है

प्लास्टिक की समस्या पीईटी प्लास्टिक - खाद्य पैकेजिंग और पेय की बोतलों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है - वैश्विक प्लास्टिक की खपत का 12% हिस्सा है। प्राकृतिक क्षरण के प्रतिरोध के कारण प्लास्टिक प्रदूषण में इसका बड़ा योगदान है। उपयोग के

बाद, यह या तो लैंडफिल में समाप्त होता है या छोटे माइक्रोप्लास्टिक्स या नैनोप्लास्टिक में नीचा दिखाता है, अपशिष्ट जल और जलमार्ग को प्रदूषित करता है।

पुनर्चक्रण प्लास्टिक अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण फोकस बना हुआ है, लेकिन मौजूदा तरीके अक्सर चरम स्थितियों पर निर्भर करते हैं - जैसे कि उच्च तापमान, गहन ऊर्जा का उपयोग, और कठोर सॉल्वैंट्स - जो विषाक्त उपप्रकार का उत्पादन करते हैं।

इसके अलावा, प्लैटिनम और पैलेडियम जैसे उत्प्रेरक महंगे हैं और अपशिष्ट समस्या में योगदान करते हैं। एक बार प्रतिक्रिया पूरी हो जाने के बाद, शोधकर्ताओं को पुनर्नवीनीकरण सामग्री को सॉल्वैंट्स से अलग करना होगा - एक प्रक्रिया जो समय लेने वाली और ऊर्जा-गहन दोनों है

"सॉल्वैंट्स का इस्तेमाल करने के बजाय हमने हवा से जल वाष्प का इस्तेमाल किया. यह प्लास्टिक रीसाइक्लिंग के मुद्दों से निपटने का एक बहुत अधिक सुरुचिपूर्ण तरीका है

तेज और कुशल प्रक्रिया तेज और कुशल दोनों है, जो केवल चार घंटे के भीतर संभावित टीपीए का 94% वसूल करता है।

उत्प्रेरक न केवल टिकाऊ है, बल्कि पुनर्नवीनीकरण भी है, बार-बार उपयोग के माध्यम से इसकी प्रभावशीलता को बनाए रखता है। इसके अलावा, विधि को मिश्रित प्लास्टिक के साथ काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, रीसाइक्लिंग के लिए चुनिंदा रूप से पॉलिएस्टर को लक्षित करना। यह चयनात्मकता रीसाइक्लिंग उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ की पेशकश करते हुए, पूर्व-छंटाई की आवश्यकता को समाप्त करती है।

जब प्लास्टिक की बोतलों, कपड़ों और मिश्रित प्लास्टिक कचरे जैसी वास्तविक दुनिया की सामग्रियों पर परीक्षण किया जाता है, तो यह प्रक्रिया अत्यधिक प्रभावी रही, यहां तक कि रंगीन प्लास्टिक को शुद्ध, रंगहीन टीपीए में भी तोड़ दिया।

आगे बढ़ते हुए, शोधकर्ताओं का उद्देश्य औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए प्रक्रिया को बढ़ाना है, यह सुनिश्चित करना है कि यह बड़ी मात्रा में प्लास्टिक कचरे का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर सके।

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध को लेकर कई देशों में मंथन

विजय गर्ग

स्कूल में स्मार्टफोन की जरूरत नहीं! चीन, बेल्जियम और स्पेन समेत कई देशों में लगा बैन; जानिए भारत में क्या है स्थिति

चीन के झेंग्झू शहर ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में भी फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। डेनमार्क और फ्रांस दोनों ने गूगल वर्कप्लेस पर प्रतिबंध लगा दिया है जबकि जर्मनी के कुछ राज्यों ने माइक्रोसॉफ्ट प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेकिन भारत में अभी तक कोई नीति नहीं बनी है। स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध में दुनिया में मंथन हो रहा है।

फ्रांस में दिया गया डिजिटल ब्रेक का सुझाव

तुर्कमेनिस्तान ने भी लगाया है प्रतिबंध

बेल्जियम, स्पेन और ब्रिटेन में दिखे नतीजे

शैक्षणिक संस्थानों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया जाये अथवा नहीं - इस विषय पर कई देशों में मंथन चल रहा है। बच्चों की शिक्षा एवं उनकी गोपनीयता पर स्मार्टफोन के असर को देखते हुए दुनिया भर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों (वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत) ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भारत में अब तक कोई नीति नहीं

2024 के अंत तक इस सूची में 19 और शामिल हो गए। इससे ऐसे शिक्षा प्रणालियों की

कुल संख्या 79 (या 40 प्रतिशत) हो गई है। जहां तक भारत की बात है, तो इसने अभी तक शैक्षणिक संस्थानों में स्मार्टफोन के उपयोग पर कोई विशिष्ट कानून या नीति नहीं बनाई है।

गौरतलब है कि पिछले साल कुछ प्रतिबंध और भी सख्त हो गए। उदाहरण के लिए, चीन के झेंग्झू शहर ने प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में भी फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें अभिभावकों से लिखित सहमति मांगी गई है कि वास्तव में शैक्षणिक कारणों से फोन की जरूरत है।

सऊदी ने वापस लिया प्रतिबंध

फ्रांस में निम्न माध्यमिक विद्यालयों में 'डिजिटल ब्रेक' का सुझाव दिया गया था। हालांकि, अन्य शिक्षा स्तरों पर पहले से ही फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। इसके विपरीत, सऊदी अरब ने चिकित्सा उद्देश्यों के लिए दिव्यांग-संगठनों के विरोध के कारण अपने प्रतिबंध को वापस ले लिया।

जीईएम टीम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूर्ण प्रतिबंधों के अलावा कुछ देशों ने गोपनीयता संबंधी चिंताओं के कारण स्मार्टफोन के एजुकेशन सेटिंग्स में कुछ खास एप के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। डेनमार्क और फ्रांस दोनों ने गूगल वर्कप्लेस पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि जर्मनी के कुछ राज्यों ने माइक्रोसॉफ्ट प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है।

ये प्रतिबंध शिक्षा के स्तर के अनुसार भी भिन्न-भिन्न होते हैं। अधिकांश देश प्राथमिक विद्यालयों पर फोकस करते हैं और इजराइल जैसे कुछ देश किंडरगार्टन पर। तुर्कमेनिस्तान जैसे अन्य देशों ने प्रतिबंध को माध्यमिक विद्यालय तक बढ़ा दिया है।

स्मार्टफोन पर रोक के बेहतर परिणाम

जीईएम रिपोर्ट-2023 के अनुसार, 'सिर्फ मोबाइल फोन का पास में होना और उस पर नोटिफिकेशन आना भी छात्रों का ध्यान काम से भटकाने के लिए काफी है।

एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि एक बार ध्यान भटक जाने के बाद छात्रों को फिर से ध्यान केंद्रित करने में 20 मिनट तक लग सकते हैं। बेल्जियम, स्पेन और ब्रिटेन के स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक से छात्रों द्वारा सीखने के परिणामों में सुधार हुआ।

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट

रसोई की रानी की ये बेढब कहानी

विजय गर्ग

एक औरत से पूछा कि आप हाउस वाइफ हो या वर्किंग वूमेन? वो बोली, मैं फुल टाइम वर्किंग वूमेन हूं। सुबह सबको उठाती हूं तो अलार्म घड़ी हूं, रसोइया हूं, धोबिन हूं, टेलर हूं, कामवाली बाई हूं, बच्चों की टीचर हूं, बड़े-बूढ़ों की नर्स हूं, हर वक्त घर में रहती हूं सो सिक्योरिटी गार्ड हूं। मेहमानों की रिसेप्शनिस्ट हूं, शादी-ब्याह में सजधज कर जाती हूं तो मॉडल कहलाती हूं, मेरा कोई वर्किंग आवर नहीं है, न छुट्टी, न वेतन, न इंक्रीमेंट, न प्रोमोशन। बस एक सवाल का सामना करना होता है कि मैं दिनभर करती क्या हूं।

उसके सारे कामों में सबसे ज्यादा मीन-मेख होती है उसके बनाये भोजन पर। एक मनचले ने पत्नी की परिभाषा दी है कि पत्नी उस शक्ति का नाम है जिसके घूर कर देखने भर से टिंडे की सब्जी में भी पनीर का स्वाद आने लगता है। वैसे अपने परिवारों में एक कन्फ्यूजन यह है कि रेस्टोरेंट में घर जैसा खाना चाहिए और घर में रेस्टोरेंट जैसा चटपटा। अब रसोई की रानी करे भी तो क्या करे। दाल-रोटी चूरमा-चटनी से लेकर बर्गर-नूडल तक तो

बनाने लग गई है। यूट्यूब मास्टर से कोचिंग ले-लेकर तरह-तरह के छौंक लगा रही है, पकवान बना रही है। पर बच्चे खाने को देखते ही कहते हैं- क्या मम्मी यार... ये क्या बना दिया।

एक वह समय था जब समाज यह चाहता था कि बहू-बेटियां घरों में रहें और नौकरी की न सोचें। आज हर परिवार चाहता है कि बेटे के लिये वर्किंग बहू मिल जाये। उनकी समझ में आ गया कि दहेज तो एक बार ही मिलेगा और वर्किंग वूमेन आ गई तो हर महीने चैक आयेगा। हमारे बड़े-बुजुर्गों की सोच में बदलाव आया है कि महिलाएं पैसे कमाने चाहे चांद तक पहुंच जायें लेकिन चांद तक जाने से पहले वे रोटी-दाल बनाकर और चटनी कूट कर जायें।

सारा दिन किचन में वह एक टांग पर खड़ी रहे, कोई नहीं देखेगा। दो मिनट मोबाइल पकड़ ले, उसे सारे घूरने लगेंगे। एक मनचले का कहना है कि महिला दिवस था तो सात मार्च को, पर महिलाओं को तैयार होकर आने में वक्त लग गया, वे आठ मार्च को पहुंची और इसीलिये आठ मार्च को महिला दिवस मनाया जाता है।

एसआईपी क्या है ? इसके कॉन्सेप्ट को समझें, फायदे जानें और शुरुआत कैसे करें

एसआईपी एक निवेश योजना है जिसमें आप नियमित रूप से छोटी राशि निवेश कर सकते हैं। यह जोखिम को डायवर्सिफाई करता है अनुशासन बनाए रखता है और कंपाउंडिंग का लाभ देता है। 500 या 1000 रुपये से भी शुरुआत संभव है। निवेश के लिए KYC पूरा करें सही म्यूचुअल फंड चुनें और निवेश की अवधि तय करें।

नई दिल्ली। निवेश करने की सलाह देने वाले बहुत लोग होंगे। कुछ सलाह महत्वपूर्ण होती हैं, तो कुछ गैर-जरूरी भी। कुछ कहेंगे कि आप इक्विटी में निवेश करें, तो कुछ म्यूचुअल फंड में भरोसा दिखाएंगे और SIP के जरिए निवेश करने की सलाह देंगे। सही और गलत का फैसला आपका अनुभव और निवेश में ज्ञान ही करेगा। लेकिन यदि आप इस क्षेत्र में नए हैं और पारंपरिक तरीकों से हटकर नए तरीके अपनाना चाहते हैं, तो SIP (Systematic Investment Plan) एक बहुत अच्छा विकल्प हो सकता है।

कार्यक्रम "फाइनेंस के फंडे" में Deepak Thukral, Founder और Managing Partner, Moneytecture ने इस विषय पर विस्तार से चर्चा की।

SIP क्या है ?

नौकरीपेशा लोगों के पास आमतौर पर एक साथ बड़ी रकम निवेश करने का विकल्प नहीं होता। वे छोटे अमाउंट से निवेश की शुरुआत करना चाहते हैं। दीपक का मानना है कि "SIP एक शानदार कॉन्सेप्ट है। आप किसी म्यूचुअल फंड में SIP के जरिए अपने निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इसके लिए एकमुश्त राशि निवेश करने की जरूरत नहीं होती। इसमें रिस्क कम होता है और समय के साथ बेहतर रिटर्न मिल सकता है।"

SIP के फायदे

1. रिस्क डायवर्सिफिकेशन

यदि आपका निवेश डायवर्सिफाइड है, तो आपका जोखिम काफी हद तक कम हो सकता है। SIP के जरिए आप किसी एक स्टॉक या सेक्टर पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि अलग-अलग सेक्टर्स में निवेश करते हैं। SIP में आप Net Asset Value (NAV) का औसत निकालकर एकमुश्त निवेश की तुलना में बेहतर रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।

2. नियमितता और अनुशासन

निवेश में अनुशासन बहुत महत्वपूर्ण होता है। SIP आपको नियमित रूप से निवेश करने के लिए प्रेरित करता है और आपको अपने फाइनेंशियल गोल्स को प्राप्त करने में मदद करता है। जब आप हर महीने एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, तो आपका कोष धीरे-धीरे बढ़ता है और लंबे समय में अच्छा रिटर्न मिलता है।

3. हर किसी के लिए एक्सेसिबल

SIP के जरिए हर कोई निवेश कर सकता है। इसके लिए बहुत ज्यादा पूंजी की जरूरत नहीं होती। यदि आपके पास ₹500 या ₹1,000 की छोटी राशि है, तो भी आप अपनी निवेश यात्रा शुरू कर सकते हैं। यह सीमित संसाधनों वाले व्यक्तियों को भी अपनी संपत्ति व्यवस्थित रूप से बढ़ाने का मौका देता है।

4. पावर ऑफ कंपाउंडिंग

Power of Compounding यानी ब्याज पर ब्याज अर्जित करने की क्षमता। यह समय के साथ आपके धन को तेजी से बढ़ाने में मदद कर सकता है। SIP न केवल नियमित निवेश को बढ़ावा देता है, बल्कि लंबी अवधि में अधिकतम ग्रोथ दिलाने में भी मदद करता है।

SIP का निवेशकों पर प्रभाव

पिछले कुछ वर्षों में SIP में निवेश करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हुई है। कई निवेशक सालों से SIP कर रहे हैं और इसका फायदा उठा रहे हैं। दीपक कहते हैं—

"जब मैंने अपना करियर शुरू किया, तो मैंने SIP के माध्यम से निवेश किया। 20 वर्षों तक अनुशासित रहकर छोटे-छोटे निवेश किए और एक बड़ी राशि बनाई, जिससे मुझे घर खरीदने में मदद मिली। SIP की नियमितता ने इस प्रक्रिया को आसान बना दिया।"

यदि आपने घर खरीदने, बच्चे की शिक्षा या रिटायरमेंट का लक्ष्य रखा है, तो SIP एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। आप अनुमानित रिटर्न रेट और समयसीमा के आधार पर आवश्यक निवेश की गणना कर सकते हैं। यह लोन लेने या बचत में देरी करने की तुलना में अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है।

SIP की शुरुआत कैसे करें ?

1. KYC पूरा करें

ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से KYC (Know Your Customer) प्रक्रिया पूरी करें। सुनिश्चित करें कि आपके संपर्क विवरण सही हैं, ताकि किसी भी कम्युनिकेशन गैप से बचा जा सके।

2. म्यूचुअल फंड चुनें

अपने रिस्क प्रोफाइल के आधार पर म्यूचुअल फंड चुनें— इक्विटी फंड, डेट फंड या मल्टी-एसेट फंड। म्यूचुअल फंड्स को हाई रिस्क से लेकर लो रिस्क तक वर्गीकृत किया जाता है। आप अपने कंफर्ट के अनुसार सही फंड का चुनाव करें।

3. SIP की अवधि चुनें

एक बार म्यूचुअल फंड चुनने के बाद, आपको SIP की आवृत्ति तय करनी होगी— दैनिक, साप्ताहिक, मासिक या वार्षिक। यह निर्णय आपकी आय और खर्चों के अनुसार लें।

4. निवेश को अपनी जरूरतों के अनुसार बनाएं

बिना सोचे-समझें दूसरों का अनुसरण न करें। अपनी आय, बचत और फाइनेंशियल गोल्स के आधार पर SIP प्लान करें, ताकि यह आपके लिए सुविधाजनक और प्रबंधनीय हो।

5. रिटायरमेंट का नजरिया अपनाएं

हर कोई किसी न किसी दिन रिटायर होगा और रिटायरमेंट के बाद भी खर्चे कम नहीं होंगे। आदर्श रूप से, आज जितना खर्च करते हैं, उतना ही बचत करने का प्रयास करें। SIP आपको समय के साथ एक बड़ा फंड बनाने में मदद कर सकता है, जिससे रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन संभव हो सके।

दीपक ठुकराल कहते हैं, "SIP में सफलता तभी मिलेगी जब आप अनुशासित रहेंगे। एक बार जब आप निवेश को स्वचालित कर देते हैं, तो यह आपकी वित्तीय आदत बन जाती है और वर्षों में यह एक बड़े धन में तब्दील हो जाता है। SIP एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी निवेश तरीका है, जो हर किसी के लिए उपयुक्त है। यह छोटे निवेशों को बड़े लाभ में बदलने की क्षमता रखता है और आपको अपने फाइनेंशियल गोल्स को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।" अगर आप अभी तक SIP

विदेश से दाल खरीदने की बजाय देश में ही दलहन में आत्मनिर्भरता बढ़ाएगी सरकार, 7 लाख हेक्टेयर बढ़ा रकबा

परिवहन विशेष न्यूज

दाल में आत्मनिर्भरता के लिए सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। दाल में आत्मनिर्भरता अभियान को ग्रीष्मकालीन उपज गति देगी। सरकार ने विदेश से दाल आयात करने की बजाय देश में ही उपज बढ़ाने के उपायों पर काम शुरू कर दिया है। पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार 7 लाख हेक्टेयर बुवाई का रकबा बढ़ गया है। सरकार का लक्ष्य 5 साल में दाल में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।

नई दिल्ली। घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए दशकों से दालों का आयात करते आ रही केंद्र सरकार अगले पांच वर्षों के भीतर दलहन में आत्मनिर्भरता के लिए प्रयासरत है। अपने उत्पादन की मात्रा के एक चौथाई दलहन का प्रत्येक वर्ष आयात करने वाले देश के लिए यह लक्ष्य आसान भी नहीं है।

फिर भी रबी एवं खरीफ दाल से अलग जायद (ग्रीष्मकालीन) दलहन की फसलों के रकबे में तेजी से हो रही वृद्धि उम्मीद जगा रही है। यह वृद्धि उस स्थिति में है जब कई राज्यों में जलाशयों का स्तर कम है। दूसरी ओर बफर स्टाक को भी समृद्ध करने का प्रयास जारी है। देश में ग्रीष्मकालीन फसलों का रकबा लगभग 72 लाख हेक्टेयर है। मार्च मध्य तक 40 लाख हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है।

पिछले वर्ष 33 लाख हेक्टेयर में हुई थी दलहन की बुवाई

पिछले वर्ष इसी अवधि में लगभग 33 लाख हेक्टेयर में दलहन की बुवाई हुई थी। इस बार मध्य मार्च में ही दलहन का रकबा दोगुना से भी अधिक हो गया है, जबकि ग्रीष्मकालीन फसलों की बुआई मई तक चलती है। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान दलहन का रकबा 2.05 लाख हेक्टेयर था।

मूंग और उड़द की बुवाई में तेजी

इस बार मूंग एवं उड़द की बुवाई में तेज वृद्धि देखी जा रही है। मूंग की बुवाई 1.34 लाख हेक्टेयर से 168 प्रतिशत बढ़कर 3.58 लाख हेक्टेयर हो गई है, जबकि उड़द की बुवाई 63 हजार हेक्टेयर से 106 प्रतिशत बढ़कर 1.3 लाख हेक्टेयर हो गई है। मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश एवं गुजरात में ग्रीष्मकालीन दलहन की खेती ज्यादा होती है।

बफर स्टाक को भी समृद्ध करेगी सरकार

आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए दोतरफा प्रयास है। पैदावार बढ़ाने के साथ-साथ बफर स्टाक को भी समृद्ध करना है, जो खाली होने की स्थिति में है। दलहन की खेती के लिए किसानों को प्रेरित और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार अगले चार वर्षों तक तुअर, मसूर एवं उड़द की सारी उपज की खरीदारी करेगी। इस बार के बजट में भी इसका प्रविधान किया गया है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने दी मंजूरी

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बफर स्टाक के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर तुअर 13.22 लाख टन, मसूर 9.40 लाख टन एवं उड़द 1.35 लाख टन खरीदारी को मंजूरी दी है। छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में अरहर की खेती ज्यादा होती है। खरीदारी शुरू हो चुकी है।

90 हजार किसानों से 1.31 लाख टन अरहर की खरीदी

अभी तक 90 हजार किसानों से 1.31 लाख टन अरहर की खरीद की गई है। अन्य राज्यों में भी जल्द शुरू होगी। तुअर की खरीद नैफेड के ई-समृद्धि पोर्टल और एनसीसीएफ के संयुक्त पोर्टल पर पूर्व-पंजीकृत किसानों से की जाती है।

मार्च में इतने दिन बंद रहेंगे बैंक, देखें कब-कब होगी छुट्टी; पूरा शेड्यूल

इस महीने यानी मार्च में बैंक कई दिनों तक बंद रहने वाले हैं। वहीं होली के कारण भी अलग-अलग राज्यों में तीन दिन की छुट्टी रखी गई है। आज 14 मार्च को होली के कारण कई राज्यों के सरकारी और प्राइवेट बैंक क्लोज है। ऐसे में अगर आपको कोई जरूरी काम करना है तो आप मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग का सहारा ले सकते हैं।

नई दिल्ली। आज पूरे देश में होली का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। होली के कारण अलग-अलग राज्यों में बैंक तीन दिन तक बंद रहने वाले हैं। वहीं इस महीने कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। अगर होली के छुट्टियों के बीच आपको बैंक से जुड़ा कोई काम है, तो इसे आप मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए पूरा किया जा सकता हैं।

Bank Holiday: मार्च में इतने दिन रहेगी बैंकों में छुट्टी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा जारी की गई लिस्ट के मुताबिक इस महीने देश के तमाम बैंक 14 दिनों तक बंद रहने वाले हैं। इन 14 दिनों में रविवार और शनिवार की छुट्टियों को शामिल किया गया है। नीचे दिए गए लिस्ट से आप बैंकों में होने वाली छुट्टियों के बारे में आसानी से समझ सकते हैं।

16 मार्च- रविवार के कारण इस दिन सभी राज्यों के बैंक बंद रहेंगे।

22 मार्च- चौथा शनिवार की वजह से इस दिन भी सभी बैंक क्लोज रहेंगे।

23 मार्च- रविवार के कारण सभी बैंक बंद रहने वाले हैं।

27 मार्च- इस दिन जम्मू-कश्मीर में शब-ए-कद्र के कारण बैंकों में छुट्टी रहेगी।

28 मार्च- इस दिन जम्मू कश्मीर में जुम्मा-तुल-विदा मनाया जा रहा है। इसलिए

यहां के सभी प्राइवेट और सरकारी बैंक क्लोज रहने वाले हैं।

30 मार्च- इस दिन रविवार के कारण सभी बैंक क्लोज रहेंगे।

31 मार्च- ईद-उल फितर के कारण लगभग सभी राज्यों के बैंक बंद रहने वाले हैं। हालांकि हिमाचल प्रदेश के सभी प्राइवेट और सरकारी बैंक खुले रहेंगे। इसके अलावा होली के दिन भी कल 13 मार्च को कई राज्यों के बैंक बंद रहें। आरबीआई की लिस्ट के मुताबिक 13, 14 और 15 मार्च को होली के कारण अलग-अलग राज्यों में बैंक बंद रहने वाले हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार में दो साल की सबसे बड़ी तेजी, 15.26 अरब डॉलर बढ़ा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7 मार्च को समाप्त हफ्ते में 15.26 अरब डॉलर बढ़कर 653.96 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले दो वर्षों में किसी एक सप्ताह की यह सबसे बड़ी तेजी है।

आरबीआई ने बताया, इसके पहले के हफ्ते में भंडार में 1.78 अरब डॉलर की कमी आई थी। रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई ने विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया था। इससे भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.885 अरब डॉलर के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

दरअसल, केंद्रीय बैंक ने 28 फरवरी को बैंकिंग प्रणाली में तरलता बढ़ाने के लिए 10 अरब डॉलर मूल्य का डॉलर खरीदा था। इस वजह से भंडार में इतनी बड़ी तेजी दर्ज की गई है। सात मार्च के हफ्ते में विदेशी मुद्रा संपत्ति में 13.99 अरब डॉलर की तेजी दर्ज की गई। सोने का भंडार 1.05 अरब डॉलर बढ़कर 74 अरब डॉलर के पार हो गया।

एनसीएलटी की चेन्नई पीठ के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी ने दिया जांच का निर्देश

राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चेन्नई पीठ के एक आदेश की जांच का निर्देश दिया है। एनसीएलएटी ने कहा कि जिस तरीके से आदेश पारित किया गया, उससे यह संदिग्ध प्रतीत होता है।

एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के अध्यक्ष को 15 मार्च, 2022 के उसके एक आदेश की जांच करने को कहा है। एनसीएलएटी ने कहा कि वह इस तथ्य की अनदेखी नहीं कर सकता कि जिस तरह से 15 मार्च 2022 का आदेश पारित किया गया है, वह संदिग्ध और भरोसे लायक नहीं है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा कि मामले में तथ्य और प्रस्तुतियां एनसीएलटी के कामकाज पर सवाल उठाती हैं। न्यायिक सदस्य जस्टिस शरद कुमार शर्मा और तकनीकी सदस्य जतींद्रनाथ स्वैन की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि एनसीएलटी के अध्यक्ष से अनुरोध है कि वे इस मुद्दे पर खास तौर पर एनसीएलटी की कार्यवाही में निष्पक्षता लाने के लिए विचार करें और जांच करें, ताकि इन प्रमुख मुद्दों पर आम जनता में विश्वास कायम हो सके।

भारत ने की आईएलओ से द्विपक्षीय श्रम प्रवासन समझौतों को बढ़ावा देने की अपील

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और भारत ने शनिवार को जीवन निर्वाह लायक मजदूरी, गिग और प्लेटफॉर्म मजदूरों के कल्याण और कई उद्योगों में काम करने की स्थिति में सुधार जैसे अहम मुद्दों पर बात की। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के मुताबिक, दोनों के बीच यह बातचीत10 से 20 मार्च तक स्विट्जरलैंड के जिनेवा में चल रही आईएलओ की 353वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक के दौरान हुई।

भारत की तरफ से श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता दावरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इस बैठक में शामिल होने पहुंचा है। इस दौरान भारतीय प्रतिनिधि मंडल ने आईएलओ प्रवासी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए विभिन्न देशों के बीच द्विपक्षीय श्रम प्रवासन और सामाजिक सुरक्षा समझौतों को बढ़ावा देने का आग्रह किया। भारत ने अपनी सामाजिक न्याय से जुड़ी प्रगति पर कहा कि देश ने अपनी सामाजिक सुरक्षा कवरेज को दोगुना कर 48.8 फीसदी कर दिया है और यह वैश्विक औसत से 5 फीसदी अधिक है। बताते चलें कि भारत दुनिया में सबसे अधिक प्रवासी श्रमिक भेजने वाले देशों में से एक है और इसे सबसे अधिक विदेशी मुद्रा प्रेषण मिलता है।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाला: 12 करोड़ की धोखाधड़ी में कपिल देधिया गिरफ्तार, ईओडब्ल्यू की बड़ी कार्रवाई

ईओडब्ल्यू ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में गड़बड़ी के मामले में वांछित आरोपी कपिल देधिया को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में ईओडब्ल्यू ने बताया कि देधिया को कल वडोदरा में एक समन्वित अभियान के तहत पकड़ा गया और आज मुंबई लाया गया।

मुंबई की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में गड़बड़ी के मामले में वांछित आरोपी कपिल देधिया को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में ईओडब्ल्यू ने बताया कि देधिया को कल वडोदरा में एक समन्वित अभियान के तहत पकड़ा गया और आज मुंबई लाया गया। गिरफ्तारी के बाद, कपिल देधिया को शनिवार सुबह 11:30 बजे अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे 19 मार्च, 2025 तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

जांच में हुआ ये खुलासा

ईओडब्ल्यू ने जांच को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि अब तक के जांच से यह खुलासा हुआ है कि कपिल देधिया के खाते में कुल 12 करोड़ रुपये जमा किए गए थे, जो बैंक से गलत तरीके से निकाले गए धन का हिस्सा थे। यह राशि दो मुख्य स्रोतों से आई थी। इसमें एक हिस्सा धर्मेश रियल्टी के बिल्डर धर्मेश पौन से प्राप्त हुआ था, जबकि दूसरा हिस्सा अरुणाचलम नामक व्यक्ति द्वारा ट्रांसफर किया गया था, जो मामले में एक और वांछित आरोपी है। इसके अतिरिक्त, उसे कथित तौर पर हितेश मेहता से भी धन प्राप्त हुआ था।

अभी चल रही मामले की जांच

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा मामले की जांच अब भी जारी है। मामले में अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आगे की जांच से और भी जानकारी प्राप्त हो सकती है और गड़बड़ी में शामिल

अन्य व्यक्तियों की पहचान की जाएगी।

क्या है मामला ?

मुंबई पुलिस ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक, लेखा प्रमुख और उनके सहयोगियों के खिलाफ 122 करोड़ रुपये के गबन का मामला दर्ज किया था। मामले को आगे की जांच के लिए मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को सौंप दिया गया था।

मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया था, 'बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने 14 फरवरी को मध्य मुंबई के दादर पुलिस थाने में जाकर पैसे के दुरुपयोग की शिकायत दर्ज कराई।' शिकायत के अनुसार उन्होंने बताया, 'बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर साजिश रची। बैंक के प्रभादेवी और गोरेगांव कार्यालयों की तिजोरियों में रखे धन से 122 करोड़ रुपये का गबन किया।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस: एक छोटी सुई, बड़ा संकल्प

[टीका सिर्फ आपके लिए नहीं, पूरे समाज के लिए है]

जरा सोचिए, एक छोटी-सी सुई—जो हथेली में भी समा जाए—कैसे बन जाती है बीमारियों के खिलाफ एक अभेद्य किला। यह नन्हा टीका, जो एक क्षण की चुभन के साथ शरीर में प्रवेश करता है, हमारे भीतर ऐसी शक्ति प्रज्वलित कर देता है जो न सिर्फ आज को आलोकित करती है, बल्कि आने वाले कल को भी संजोती है। यह कोई मामूली सुई नहीं, यह जीवन की उम्मीद का प्रथम सोपान है—एक ऐसा कवच जो चुपचाप हमें और हमारे प्रियजनों को हर खतरे से अछूता रखता है। टीकाकरण केवल एक व्यक्ति की सुरक्षा का घेरा नहीं, बल्कि पूरे समाज को एक सूत्र में बाँधने और भावी पीढ़ियों को स्वस्थ, सशक्त भविष्य सौंपने का अटूट संकल्प है।

हर साल 16 मार्च को राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस हमें उस छोटे से कदम की विशालता का अहसास कराता है, जो पहाड़-सी चुनौतियों को चूर-चूर कर धूल में मिला देता है। 1995 का वह ऐतिहासिक क्षण, जब भारत में पहली बार ओरल पोलियो वैक्सीन (OPV) की बूँदें बच्चों के होंठों तक पहुँचीं, एक क्रांति का सूत्रपात था। यह वह अटल संकल्प था, जिसने पोलियो के खौफ को जड़ से उखाड़कर 2014 में भारत को पोलियो मुक्त राष्ट्र की गर्वीली पहचान दिलाई। यह कहानी महज एक बीमारी पर विजय की नहीं, बल्कि मानवीय हिम्मत, जागरूकता और एकता की उस अजेय शक्ति का जीवंत प्रमाण है। यह सिद्ध करता है कि जब हम कंधे से कंधा मिलाकर चलते हैं, तो कोई भी मंजिल असंभव नहीं रहती।

टीकाकरण की शक्ति अनमोल है, असीम है। यह सिर्फ पोलियो की दीवारें नहीं तोड़ता—यह हेपेटाइटिस के विष को निस्तेज करता है, खसरे की काली छाया को मिट्टी में मिलाता है, टेटनस और डिप्थीरिया जैसे चुपके से वार करने वाले शत्रुओं को धूल चटाता है, और कोविड-19 जैसे वैश्विक दानव को भी घुटनों पर ला देता है। हर टीका एक पवित्र वचन है—अपने लिए, अपने परिवार के लिए, और उन अनगिनत चेहरों के लिए जो हमारे इर्द-गिर्द जीवन की साँसें लेते हैं। सामूहिक प्रतिरक्षा (Herd Immunity) इसका सबसे बड़ा चमत्कार है। जब हम सब इस टीके की शरण में आते हैं, तो बीमारी के सारे रास्ते बंद हो जाते हैं। यह उन नन्हे बच्चों को आश्रय देता है जो अभी दुनिया के रंग भी नहीं पहचान पाए, उन माँओं को ढाल देता है जो नई जिंदगी को गर्भ में संजो रही हैं, और उन कमजोर कंधों को सहारा देता है जो बीमारी का भार सहन नहीं कर सकते।

भारत सरकार का राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) और मिशन इंद्रधनुष जैसे अभियान उस स्वप्न के सच्चे प्रहरी हैं, जो हर बच्चे को सुरक्षित भविष्य देने का वादा करते हैं। ये पहल उन धूल भरी पगडंडियों तक पहुँचती हैं जहाँ सड़कें भी थक जाती हैं, उन घरों तक जहाँ जागरूकता की लौ अभी कमजोर है। मुफ्त टीके महज एक सुविधा नहीं, हर नन्हे दिल के लिए एक जन्मसिद्ध अधिकार हैं। यह केवल स्वास्थ्य की बात नहीं—यह देश की उन्नति की नींव है। एक बीमारी का प्रकोप हमें अस्पतालों की चौखट पर ला पटकता है, जेबें खाली करता है, सपनों को रौंदता है। मगर एक टीका? वह इस तूफान को थाम लेता है, हमें अडिग बनाता है, और समाज को प्रगति की नई उड़ान देता है।

कोविड-19 का काला दौर सच्चाई का सबसे सशक्त दर्पण बनकर उभरा। जब दुनिया भय से साँसें रोके ठिठकी थी, भारत ने कोविशील्ड और कोवैक्सिन की अजेय ताकत से न सिर्फ अपने लोगों को जीवनदान दिया, बल्कि 'वैक्सीन मैत्री' के जरिए दुनिया के हर कोने तक उम्मीद की किरण पहुँचाई। यह वह गौरवमयी पल था, जब भारत ने गूँजते स्वर में कहा—हमारा जीवन सिर्फ अपने लिए नहीं, समस्त मानवता के लिए है। इस छोटी-सी सुई ने हमें फिर से सिखाया कि एकजुटता और विज्ञान का संगम असंभव को संभव बना देता है।

फिर भी, अज्ञानता के कुछ काले कोने अब भी बचे हैं। भ्रांतियाँ—'टीके खतरनाक हैं', 'ये बीमारियाँ फैलाते हैं'—आज भी कुछ दिमागों को जंजीरों में जकड़े हुए हैं। सच की आवाज सुनेंः हल्का बुखार, क्षणिक टीस—यह उस अनमोल कवच की छोटी-सी कीमत है, जो हमें मौत के मुँह से छीनकर जीवन की राह दिखाता है। टीके मृत्यु नहीं, जीवन की सौगात हैं। इन भ्रमों की बेड़ियों को तोड़ना हमारा संकल्प है। हर सवाल का जवाब, हर डर का खात्मा—सिर्फ सत्य और जागरूकता के बल से ही होगा।

टीकाकरण महज एक कर्तव्य नहीं, यह एक पवित्र पुकार है। यह केवल अपने लिए नहीं, बल्कि उस नन्हे बच्चे के लिए है जो आपके घर में हँसी बिखेरता है, उस बुजुर्ग के लिए जो आँगन में जीवन की कहानियाँ बुनते हैं, और उस पड़ोसी के लिए जो आपकी हर खुशी में साथ देता है। टीका लगवाकर हम एक ऐसी अभेद्य ढाल रचते हैं जो हर दिल को सुरक्षा देती है। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस कोई साधारण दिन नहीं—यह एक जन-आंदोलन है, एक प्रेरक संदेश है, जो हर साँस के साथ हमें जागृत रखता है।

इस राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर आइए एक दृढ़ संकल्प लें। हम न सिर्फ स्वयं टीका लगवाएँगे, बल्कि अपने परिवार को प्रेरित करेंगे। गाँव की पगडंडियों से लेकर शहर की सड़कों तक, जागरूकता की मशाल जलाएँगे। भ्रांतियों को पैरों तले रौंदेंगे, सच की गूँज चारों ओर फैलाएँगे। यह छोटी-सी सुई महज एक टीका नहीं—यह हमारे बच्चों का सुनहरा भविष्य है, समाज का मजबूत आधार है, और मानवता की सबसे शानदार जीत है। आइए, इस प्रण को साकार करें—एक टीका, एक सशक्त और सुरक्षित भारत।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

ड्रग पैडलर अफसर अली को गोली मारकर हत्या

के०के० परिच्छा, स्टेट हेड- झारखंड

सरायकेला, ड्रग कारोबार पर अपना स्थान बना चुका सरायकेला खरसावां जिला में एक पैडलर अफसर अली, 39 को सिताराम पुर डैम के पास गोली मारी गई है। बताया गया है कि वह और उसकी पत्नी सलमा ब्राउन शुगर का कारोबार करते हैं। दो माह पूर्व ही पुलिस ने उसकी पत्नी को ब्राउन शुगर तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया था। वर्तमान में वह रांची जेल में बंद है। पुलिस ने बताया कि अफसर अली का नाम ब्राउन शुगर के पैडलरों में दर्ज है। उस पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे और वह पूर्व में भी पांच बार जेल जा चुका था। उसकी हत्या का कारण भी नशे के कारोबार से जुड़ा हो सकता है। मृतक अफसर अली के तीन बच्चे हैं, जिसमे एक बेटी की शादी कुछ दिन बाद होने वाली थी।

पूरा परिवार शादी की तैयारी में जुटा था। उसकी हत्या के बाद शादी की खुशी मातम में बदल गई। मृतक की बेटी ने बताया कि शुक्रवार को करीम नाम का व्यक्ति उसके घर आया था जो किसी छोटा राजू द्वारा उसे बुलाने की बात कहकर अफसर अली को अपने साथ ले गया था। उसके बाद रात्रि में पुलिस द्वारा उसकी हत्या की सूचना उन्हें दी गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जांच में जुटी है।

मन ही मन कर लेती-संतोष...!

एक लड़की मध्यम था परिवार,
नटखट व खूबसूरत दारोमदार।
ये यौवन न बन जाए अभिषाप,
माता-पिता सोच जाते हैं कॉप।
हो गई इक्कीस की कर दी शादी,
जिंदगी की शाम में हुई आबादी।

एक लड़की मध्यम था परिवार,
नटखट व खूबसूरत दारोमदार।
छह साल बनी दो बच्चों की माँ,
पूरा हुआ संसार बस गया जहॉ।
हो गई उम्र तीस वज्रपात पीस,
पति केंसर से ग्रसित ये है टीस।

एक लड़की मध्यम था परिवार,
नटखट व खूबसूरत दारोमदार।
मदद मांगने में वह हिचकिचाती,
जहॉ-तहॉ इल्तजा हाथ फैलाती।
घर में रहकर की सिलाई-कढ़ाई,
कभी चल जाता काम हुई कमाई।

एक लड़की मध्यम था परिवार,
नटखट व खूबसूरत दारोमदार।
बच्चों की शिक्षा दें सक्षम बनाती,
वह स्वयं दर-दर की ठोकरें खाती।
ये गरीबी कभी-भी लेती है आगोश,
मन ही मन वह कर लेती हैं संतोष।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

जमीन बिक्री मे माहिर आई ए एस छवि रंजन का रिपोर्ट सामान्य

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

रांची, बिरसा मुंडा कारागार से रिम्स लाये गये निलंबित पूर्व उपायुक्त रांची एवं सरायकेला खरसांवां आइएएस छवि रंजन की स्थिति सामान्य बताई गयी है. इसीजी और अन्य ब्लड जांच की रिपोर्ट भी कुल मिलाकर सामान्य है. पेइंग वार्ड में भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है. यहां बता दें कि 10 मार्च को सीने में दर्द की शिकायत के बाद छवि रंजन को बिरसा मुंडा कारागार से रिम्स लाया गया था. अस्पताल लाने के बाद उनका इसीजी और ट्रोपोनिन टेस्ट (हार्ट अटैक की प्रारंभिक जांच) किया गया था, जिसमें सबकुछ सामान्य मिला था. गौरतलब है कि रांची डीसी रहते इडी ने छवि रंजन को चार मई 2023 को गिरफ्तार किया था. उन पर बरियातू स्थित सेना की जमीन फ़र्ज़ी दस्तावेज तैयार करने एवं सरकारी अधिकारियों साथ निलंबित करने का घोटाला का है. चेशायर होम रोड स्थित जमीन घोटाला का आरोप है. हालांकि एक मामले में उनको जमानत भी मिल गयी है. वहीं, इडी ने छवि रंजन के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति की भी मांग की है.

इधर सरायकेला के राजनगर प्रखंड में भी पूजा, श्मसान, ऐतिहासिक स्थली की जमीनें बंन्दोबस्त में बड़े उद्योगपति को देने का आरोप अनेक अधिकारी घिर सकते हैं। जिसको लेकर उच्चस्तरीय जांच की

आवश्यकता है। सनद रहे कि प्रिंन्सली स्टेट की सरायकेला की ईचा की जमीनें बंन्दोबस्त / रैयत विक्री के नाम पर उपायुक्त छवि रंजन, उपायुक्त अरवा राजकमल के समय बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है। जिसमें तत्कालीन कुछ भ्रष्ट अधिकारियों का गिरोह नियमों को ताक पर रखकर काम किया है। सरायकेला भले ही आज झारखंड सरकार के अधीन है, पर इसका विलय केन्द्र सरकार के साथ होने एवं बिहार में लाने का षड्यंत्रकारी ढंग के कारण केंद्र मामले पर कभी भी पर्दा उठा सकता है।

मुरली ने चाय की दुकान बंद की और घर नहीं लौटा, हाइवा ने ले ली जान

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : ढेंकानाल टाउन थाना अंतर्गत महिषा पाट के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 55 पर कल देर रात सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान महिषा पाट क्षेत्र के मुरली नायक के रूप में हुई है। यह दुर्घटना उस समय घटी जब मुरली अपनी चाय की दुकान बंद करके घर लौट रहा था। दुर्घटना के बाद जब वाहन भाग रहा था, तो स्थानीय युवकों ने नशे में धुत वाहन चालक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटनास्थल पर परिजनों ने शव के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग 55 को जाम कर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग 55 छह घंटे से अधिक समय तक अवरुद्ध रहा, जिससे सड़क के दोनों ओर सैकड़ों वाहन फंसे रहे। यातायात ठप्प है। मृतकों के परिजनों और रिश्तेदारों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और घायलों को शांत करने की कोशिश कर रही है। सड़क लंबे समय से बंद होने के कारण यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मुरली चाय की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। लेकिन किसी ने कभी नहीं सोचा था कि उनकी जिंदगी इतनी कम उम्र में खत्म हो जाएगी। मुरली की अचानक मौत से पूरा परिवार सदमे में है। मुरली की जान ड्राइवर की लापरवाही से हुई, इसलिए परिवार ने मुआवजे की मांग की है।

पक्षियों की मधुर आवाज़ें और चहचहाहट हमें प्रकृति के क़रीब ले जाती हैं

हमें पक्षियों की ज़रूरतों का ध्यान रखना चाहिए। वे हमारे पर्यावरण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और हमारे जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पक्षियों की ज़रूरतों का ध्यान रखने से हम न केवल उनकी मदद कर सकते हैं, बल्कि हम अपने पर्यावरण को भी स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

हम पक्षियों के लिए पानी के स्रोत बना सकते हैं, उनके लिए भोजन की व्यवस्था कर सकते हैं, और उनके लिए आश्रय बना सकते हैं। इन छोटे-छोटे कदमों से हम पक्षियों की मदद कर सकते हैं और हमारे पर्यावरण को भी स्वस्थ बना सकते हैं।

गर्मियों की आहट शुरू हो गई है।, हमें अपने आसपास के पक्षियों की जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए। ये बड़े मासूम होते हैं।गर्मियों में पक्षियों को पानी की सबसे ज़्यादा ज़रूरत होती है। हम अपने घरों के बाहर पानी के बर्तन रख सकते हैं जिसमें पक्षी पानी पी सकें।

पक्षियों को दाना डाल देना भी एक अच्छा विचार है। हम अपने घरों के बाहर दाना डालने के लिए एक जगह बना सकते हैं जहां पक्षी आकर दाना खा सकें।

गर्मियों में पक्षियों को छांव की भी ज़रूरत होती है। हम अपने घरों के बाहर लगे पेड़ों पर व्यवस्थाएं बना सकते हैं, या छांव के लिए एक छतरी बना सकते हैं जहां पक्षी आकर आराम कर सकें।

इन सुझावों को अपनाकर, हम पक्षियों की मदद कर सकते हैं और उनकी ज़रूरतों का ध्यान रख सकते हैं।बिल्कुल! पक्षियों का कलरव वास्तव में मनमोहक होता है। उनकी मधुर आवाज़ें और चहचहाहट हमें प्रकृति के क़रीब ले जाती हैं और हमारे मन को शांति और सुकून से भर देती हैं।

पक्षियों की आवाज़ें न केवल हमें आनंद देती हैं, बल्कि वे हमें प्रकृति की सुंदरता और विविधता का भी अनुभव कराती हैं। जब हम पक्षियों की आवाज़ें सुनते हैं, तो हमें लगता है कि हम प्रकृति के बीच में हैं, और यह अनुभव हमें बहुत आनंद और शांति देता है।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्य प्रदेश,

छात्रों के लिए खुशखबरी: यात्रा के दौरान किराए में 50 प्रतिशत की छूट

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वरः शुक्रवार को विधानसभा में कटक विधायक सोफिया फिरदोस ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या राज्य में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का उपयोग करने वाले छात्रों के लिए कोई रियायती किराया या विशेष व्यवस्था है। सरकार इस पर क्या ब्यौरा देगी? ओडिशा के वाणिज्य एवं परिवहन मंत्री बिभूति भूषण जेना ने सोफिया फिरदोस के प्रश्न का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मो बस सेवा योजना के तहत पंचायत से प्रखंड तक का किराया 5 रुपये तथा जिला मुख्यालय से जिला मुख्यालय तक का किराया 10 रुपये है। इसके साथ ही मंत्री बिभूति भूषण जेना ने कहा कि परिवहन निगम की बसों में छात्रों को 50 प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।

लोकप्रियता का मायाजाल [जो दिखता है, वही बिकता है]

एक बार की बात है, एक महान व्यक्ति दुनिया भर में मशहूर हो गया।

अख़बारों के मुख पृष्ठ पर उसकी तस्वीरें छपने लगीं, टीवी चैनलों पर उसकी तारीफों के पुल बंधने लगे। सोशल मीडिया पर लोग उसके विचारों को जितना समझ नहीं पा रहे थे, उससे ज्यादा उन्हें साझा कर रहे थे। वह व्यक्ति किसी भी विषय पर बोल सकता था—अर्थव्यवस्था हो या अध्यात्म, राजनीति हो या क्रिकेट। ऐसा लगता था मानो उसके शब्दों में जादू हो। लोग उसे महान विचारक, सफल उद्यमी, समाज सुधारक और न जाने क्या-क्या कहने लगे। लेकिन मज़े की बात तो यह थी कि वह स्वयं ही नहीं जानता था कि असल में वह है कौन!

एक दिन एक पत्रकार ने उससे पूछ लिया—"आपकी सफलता का रहस्य क्या है?" वह व्यक्ति मुस्कुराया और बोला—₹दरअसल, मैं खुद नहीं जानता कि मैं कौन हूं। लोगों ने मुझे जो कहा, वही मैंने मान लिया। किसी ने मुझे बुद्धिजीवी कहा, तो मैंने ज्ञान बघारना शुरू कर दिया। किसी ने मुझे नेता समझ लिया, तो मैंने भाषण देने शुरू कर दिए। किसी ने मुझे जीवन गुरु मान लिया, तो मैं प्रवचन करने लगा।₹ पत्रकार ने चौंककर पूछा—₹तो फिर आप असल में क्या हैं?₹ व्यक्ति ने एक लंबी सांस ली और कहा—₹शायद कुछ भी नहीं। बस एक नाम, जो लोगों की कल्पनाओं पर टिका हुआ है।₹ और तब पहली बार लोगों को समझ में आया कि यह महान व्यक्ति, जिसे वे भगवान की तरह पूज रहे थे, वह स्वयं अपनी पहचान से अनजान था। लेकिन फिर भी, दुनिया उसे महान मानती रही, क्योंकि दुनिया को सत्य से ज्यादा भ्रम प्रिय होता है।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

बाल विवाह लड़कियों के विकास में एक बड़ी बाधा

आजकल देश आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों में काफी प्रगति कर रहा है, लेकिन कुछ बुरे संकेतों के प्रति सचेत रहना जरूरी है, तभी समाज का विकास संभव है, आजकल आधुनिक भारत और राज्यों में बाल विवाह का प्रचलन है। हालाँकि यह बड़े पैमाने पर नहीं है, लेकिन यह लड़कियों के विकास के लिए घातक है, राष्ट्रीय बाल संरक्षण और अधिकार आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में 11.5 लाख लड़कियाँ बाल विवाह का शिकार हैं।हम आधुनिक समाज का हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी लड़कियों के विकास में एक बड़ी बाधा है, इसका मुख्य कारण गरीबी, दहेज, धार्मिक, सामाजिक कारण, अशिक्षा, लड़कों को अधिक महत्व देना है। दूसरा, शिक्षा, स्वास्थ्य, मानसिक, आर्थिक कारणों से पढ़ाई छोड़ने का असर भी लड़कियों की शादी पर पड़ता है। इसके प्रति जागरूकता, सरकारों, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाज सेवी संगठनों को आगे आकर इस कलंक को दूर करना होगा। लड़कियों को शिक्षित करना समय की मांग है, आइए इस समस्या को दूर करें और जागरूकता पैदा करें..

बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006: भारत में बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के माध्यम से लड़के और लड़कियों के बीच विवाह की उम्र तय की गई है, जहां लड़कियों के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़कों के लिए 21 वर्ष है। साथ ही इस उम्र से कम उम्र में शादी करने के कारण, इस कृत्य में शामिल होने, समर्थन करने या बढ़ाने पर भी सजा का नियम लागू है. इसलिए सभी का कर्तव्य है कि बेटियों के विकास के लिए मिलकर बढ़ावा दें, क्योंकि देश के उज्जवल भविष्य के लिए बेटियां हर क्षेत्र में काम कर रही हैं, बेटियों को अब सुरक्षा, सम्मान और सभी अधिकार प्राप्त होना ही चाहिए,

विभिन्न क्षेत्रों में एक अरब से अधिक लड़कियों के काम करने के साथ,सफलतापूर्वक काम कर रही हैं और हर क्षेत्र में लड़कियां आगे आ रही हैं, 19 दिसंबर 2011 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने लड़कियों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए 11 अक्टूबर को लड़कियों के विकास के लिए समर्पित अंतर्राष्ट्रीय "बालिका दिवस₹ "घोषित किया।

किशोरावस्था में: इस अवस्था में लड़कियों का साथ देना उनके विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है. आज की लड़कियाँ उद्यमी, सरपंच, राजनेता, खिलाड़ी, डॉक्टर, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षिका आदि के रूप में देश के विकास के लिए तैयार हैं, लेकिन आज भी लड़कियों की समस्याओं के बारे में जागरूकता अभियान की आवश्यकता है। लेकिन कुछ कमियां भी हैं जिन्हें दूर करना बहुत जरूरी है, आइए जानते हैं उन कमियों के बारे में...

शिक्षा के अवसरों की असमानता: कई स्थानों पर गरीबी, पारिवारिक दबाव, घरेलू काम, बाहरी वातावरण, सामाजिक समारोह का बोझ, सामाजिक पुरुष-प्रधान सोच आदि के कारण लड़कियों को शिक्षा नहीं मिल पाती है। इसलिए, लड़कियों को शिक्षा के अधिकार के बारे में समान अवसर और जागरूकता प्रदान करना आवश्यक है।

* बाल विवाह और शारीरिक शोषण: बाल विवाह और शारीरिक शोषण को खत्म करने के लिए जागरूकता के साथ-साथ सख्त कानूनों की भी बहुत जरूरत है और अगर इन कानूनों को सख्ती से लागू किया जाए, तभी लड़कियों के बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोका जा सकता है।

*रूढ़िवादी विचार और सोचः रूढ़िवादिता भी बाल विवाह को बढ़ाती है, क्योंकि कुछ रूढ़िवादी लोग सोचते हैं कि लड़कियों की शादी कम उम्र में ही कर देनी चाहिए, लेकिन शारीरिक और मानसिक रूप से यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है, इसके लिए जागरूकता की जरूरत है।

* जागीरदारी की अवधारणाः जागीरदारी की अवधारणा ने भी बाल विवाह को बढ़ाया है, पुरुष प्रधान समाज में लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक महत्व देना, अवसरों की समानता नहीं मिलना भी इस जागीरदारी अवधारणा को खत्म करने के लिए समय की मांग है। आजकल लड़कों से ज्यादा लड़कियां नाम रोशन कर रही हैं।

बाल विवाह को रोकने के लिए सरकारों द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं, जहां सख्त कानून बनाए गए हैं, वहीं लड़कियों को विशेष सुविधाएं प्रदान करके अवसरों की समानता भी प्रदान की जा रही है। जिसमें एकल बालिका शिक्षा मुफ्त, समृद्धि सुकन्या योजना, सरकारी नौकरियों में लड़कियों को 50 प्रतिशत आरक्षण, राजनीतिक व्यवस्था में लड़कियों की भागीदारी, लड़कियों के लिए विशेष खेल के मैदान, मुफ्त यात्रा सुविधाएं, शैक्षिक सुविधाएं, महिला पुलिस स्टेशन आदि सहित पंजाब सरकार द्वारा लड़कियों के विकास के लिए विशेष प्रयास लगातार जारी हैं। अगर लड़कियाँ विकसित होती हैं तो विकास संभव है, यह सिर्फ एक परिवार का विकास नहीं है, यह दो परिवारों के साथ-साथ देश के विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी है, इसलिए सामाजिक प्राणी होने के नाते हमारा कर्तव्य है कि हम लड़कियों को एक अच्छा वातावरण प्रदान करें, घर के बाहर भी उनके लिए एक अच्छे वातावरण के लिए प्रयास करें और जागरूकता पैदा करें, ताकि समाज को एक नई दिशा प्रदान की जा सके, अंततः असली राहिल का कलाम...

जो हमें मंजिल तक ले चलें
कहीं वो पदचिन्ह देखे.

आइए हम जागरूकता के पथ पर चलते हुए बाल विवाह जैसी कुरीतियों के प्रति जागरूकता पैदा करें,

जय हिन्द.
अवनीश लोगोंवाल

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023